दैनिक

महाराष्ट्र समाचार

संपादक : अकबर खान

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

वर्ष : 12 अंक : 35 मुंबई, रविवार, 24 नवम्बर -2024 | E-mail:dailymaharashtrasamachar@gmail.com | मूल्य 3.00 रुपया | पृष्ठ - 06 | RNI.No.HHIN/2013/53656

सार संक्षेप

मोदी ने 31 विश्व नेताओं से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी की नाइजीरिया, ब्राजील व गुयाना की पांच दिवसीय यात्रा के दौरान 31 विश्व नेताओं से मुलाकात की है। तीन देशों की विदेश यात्रा के दौरान मोदी ने 31 द्विपक्षीय बैठकों और वैश्विक नेताओं के साथ अनौपचारिक बातचीत में भाग लिया। नाइजीरिया में एक द्विपक्षीय बैठक की, ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर 10 द्विपक्षीय बैठकें कीं। गुयाना यात्रा के दौरान उन्होंने नौ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

नौका पर सवार 11 लोगों को बचाया

नई दिल्ली। नौसेना ने उसकी एक पनडुब्बी से टकराने वाली नौका पर सवार 13 में से 11 लोगों को बचा लिया है। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि मार्थोमा नाम की यह नौका गोवा के निकट एक पनडुब्बी से टकरा गई थी। इस नौका पर 13 भारतीय मछुआरे सवार थे। नौसेना ने जहाजों और विमानों के साथ तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू कर चालक दल के 11 सदस्यों को बचा लिया जबकि दो अन्य की तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे में चार स्कूली बच्चों की मौत

पटना। बिहार के पटना जिले के बिहटा इलाके में एक ट्रक और ऑटो की टक्कर में चार स्कूली बच्चों की मौत हो गई। सभी मृतक बच्चे ऑटो में सवार होकर स्कूल से अपने घर लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, एक स्कूल के बच्चे शुक्रवार को स्कूल से छुट्टी होने के बाद एक ऑटो में सवार होकर वापस कन्हौली गांव जा रहे थे, इसी दौरान बिहटा के बिशनपुरा बगीचा के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी।

केरल सरकार ने न्यायिक आयोग किया नियुक्त

केरल। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में मुनंबन में विवादित भूमि के स्वामित्व की पहचान करने के लिए एक न्यायिक आयोग की नियुक्ति का निर्णय लिया गया। बैठक के बाद कानून मंत्री पी.राजीव ने बताया कि जस्टिस सीएन रामचंद्रन नायर आयोग के प्रमुख होंगे।

प्रसिद्ध कलाकार मणेश्वर ब्रह्मा नहीं रहे

गुवाहाटी। असम के प्रसिद्ध कलाकार और प्रिंटमेकर मणेश्वर ब्रह्मा का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 57 वर्ष के थे। उनके निधन से असम सहित पूर्वोत्तर भारत में कला जगत में शोक की लहर है। वे असम के समकालीन कलाकारों में से एक थे, उनके निधन से अपूरणीय क्षति पहुंची है। उनकी नवीन तकनीकें व अभिव्यक्तिपूर्ण विषय उन्हें व्यापक सराहना दिला चुके थे। शांति निकेतन स्थित विश्व भारती विवि के कला भवन के छात्र रहे ब्रह्मा प्रिंटमेकिंग में एक अग्रणी थे।

झारखंड में जीत, महाराष्ट्र में हार कांग्रेस की बर्बादी का कौन जिम्मेदार ?

200 का आंकड़ा पार, महाराष्ट्र में महायुति को प्रचंड बहुमत, सुनामी वाली जीत के 6 कारणों से समझिए

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीत की हैट्रिक लगाई है। महायुति ने महाराष्ट्र की सत्ता में बैठने के लिए बहुमत का आंकड़े 145 से भी अधिक 200 का आंकड़े को पार कर लिया है। बीजेपी 125 शिंदे की शिवसेना और अजित पवार भी पावरफुल बनकर उभरे। एनसीपी का स्ट्राइक रेट 70 फीसदी से अधिक रहा। वह चाचा शरद पवार पर विधानसभा में भारी पड़े। अघाड़ी महाराष्ट्र चुनाव में पूरी तरह धूल फांकती नजर आई। महाविकास अघाड़ी की कोई पार्टी 28 का आंकड़ा नहीं छू पाई, जो नेता प्रतिपक्ष की सीट के लिए जरूरी है। उद्धव ठाकरे ने इस जनादेश पर हैरानी जताई। महाराष्ट्र चुनाव में इस प्रचंड जीत का सबसे बड़ा कारण लोकसभा चुनाव में महायुति की हार है, जिसके बाद बीजेपी ने अचानक से रणनीति बदल दी। पूरे चुनाव में महायुति एकजुट नजर आई और सभी सहयोगी चुनावी एजेंडे पर एकजुट रहे। चुनाव से पहले सीएम के चेहरे को लेकर तनातनी और बयानबाजी ने भी अघाड़ी की गाड़ी पर ब्रेक लगा दिया।

1.लाडली बहनों ने वोट से दिया महायुति का साथ

महाराष्ट्र चुनाव से पहले शिंदे सरकार ने लाडली बहना योजना शुरु की, जिसमें महिलाओं के लिए 1500 रुपये हर महीने दिए गए। चुनाव प्रचार के दौरान महायुति ने इस राशि को 2100 रुपये हर महीने देने का वादा किया। इसके अलावा किसानों के लिए कर्जमाफी का वादा भी किया। महायुति के तीनों घटकों ने लाडली योजना को हर तरह से भुनाने की कोशिश की। रिपोर्टस के अनुसार, इसके प्रचार पर ही 200 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 20 नवंबर को भी एक किस्त जारी की गई। चुनाव में इसका असर यह रहा कि महिलाएं वोट के लिए बाहर निकलीं। धुले में महिलाओं ने रात तक मतदान किया।

2.एकनाथ शिंदे बने तुरुप का पत्ता, गजब ही कर दिया

उद्धव ठाकरे की सरकार गिराकर सीएम बनने वाले एकनाथ शिंदे इस चुनाव के तुरुप का पत्ता बनकर उभरे। उद्धव गुट से गद्दार और धोखेबाज जैसी आलोचना झेलने के बाद उन्होंने ढाई साल में विकास करने वाले और आम लोगों के बीच रहने वाले नेता की छवि बनाई। उन्होंने हमेशा बाल ठाकरे की तस्वीर रखकर यह जताने में सफल रहे कि उद्धव ठाकरे सत्ता के लिए उनके आदर्शों को भूल चुकी है। अनुभवी राजनेता की तरह शिंदे ने चुनाव से पहले ही तय कर दिया कि महायुति की सरकार के लिए वह अपनी कुर्सी का त्याग कर सकते हैं। लाडली बहन योजना, बेरोजगारों को भत्ता जैसे स्कीम के कारण वह देवेंद्र फडणवीस और उद्धव से भी ज्यादा लोकप्रिय सीएम साबित हुए। टिकट के बंटवारे के दौरान भी वह कहीं बीजेपी के सामने कमजोर नजर नहीं आए और सभी भरोसेमंद को टिकट दिया।

3.महाराष्ट्र में चल गया बंटेंगे तो कटेंगे का जादू

बीजेपी की ओर से योगी आदित्यनाथ और पीएम नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार में एक बड़ी लकीर खींच दी। योगी ने कटेंगे तो बंटेंगे का नारा दिया। पीएम मोदी ने भी एक है तो सेफ हैं जैसी अपील कर योगी के नारे को कल्ट बना दिया। चुनाव के बीच वक्फ बोर्ड की ओर से जिस तरह जमीन पर दावे किए गए, उससे आम वोटरों के बीच इस नैरेटिव को ताकत मिल गई। मुस्लिम संगठनों की ओर से महाविकास अघाड़ी के लिए वोटिंग करने का फतवा भी महायुति के लिए वरदान साबित हुआ। देवेंद्र फडणवीस और असदुद्दीन औवैसी के बीच राजनीतिक बहस, अकबरुद्दीन ओवैसी के चुनावी भाषण 15 मिनट अभी बाकी हैं ने भी हिंदू वोटरों को एकजुट कर दिया। अब नतीजा सबके सामने हैं, बीजेपी अपने दम पर 2014 से भी बड़ी जीत हासिल कर चुकी है।

4.उद्धव ठाकरे ने भी किया अघाड़ी को चौपट

लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी को बड़ी जीत मिली थी। इस जीत के बाद शिवसेना नेताओं के तेवर धारदार हो गए। उद्धव ठाकरे समेत यूबीटी के नेता बीजेपी के विरोध के सुर में यह भूल गए कि उनकी छवि हिंदुत्ववादी पार्टी की है। बाल ठाकरे की छवि से उलट उद्धव ठाकरे ने खुद को सर्वसमाज के नेता बनाने की कोशिश की। टिकट बंटवारे के दौरान जिस तरह सीटों और सीएम फेस को लेकर विवाद हुआ, उससे भी उद्धव कमजोर नजर आए। संजय राउत जैसे नेता के बयान ने भी यूबीटी को नुकसान पहुंचाया। इस चुनाव के दौरान उद्धव गुट ने विकास की बात कम और शिंदे से बदले की लड़ाई ज्यादा लड़ी। रही सही कसर प्रचार के दौरान उद्धव ठाकरे के खुद के बनाए वीडियो ने पूरी कर दी। दूसरी ओर, शिंदे ने ढाई साल के शासन में उनसे ज्यादा एक्टिव नेता की छवि बना ली।

5.अजित दादा भी चले सधी चाल, नहीं छिटकने दिया वोटर

महाराष्ट्र चुनाव में महायुति के साथी बनकर अजित पवार ने बड़ी सधी हुई चाल चली। 41 सीटों पर उनकी अपने चाचा शरद पवार की पार्टी एनसीपी-एसपी से सीधी टक्कर थी। 51 सीटों पर वह महायुति के साथ थे जबकि 8 सीटों पर उनके उम्मीदवार फ्रेंडली फाइट करते रहे। उनके सामने योगी आदित्यनाथ के नारे बंटेंगे तो कटेंगे के नारे से ट्रडिशनल वोटरों को बचाना था, जिसे उन्होंने बखूबी निभा लिया। वह खुलकर आदित्यनाथ का विरोध करते रहे। इस दौरान उन्होंने एक चालाकी बरती। पूरे प्रचार के दौरान अजित पवार और उनके कैंडिडेट ने शरद पवार की आलोचना नहीं की। साथ ही सहयोगी बीजेपी को भी कंट्रोल में रखा। इससे पहले लोकसभा चुनाव में सुप्रिया सुले के खिलाफ पत्नी को उतारने की गलती पर खुलेआम प्रायश्चित किया। इन सधी चाल से अजित पवार अपने चाचा पर ही भारी पड़े और उनसे ज्यादा सीटें जीतकर बारामती और मराठवाड़ा की राजनीति में अपना वर्चस्व जमा लिया।

6.आरएसएस का जमीन पर समर्थन का असर

लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार के कई कारणों में यह सामने आया था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने चुनाव में सीधे हस्तक्षेप से दूरी बना रखी थी। इस कारण ग्राउंड पर जब कांग्रेस और अघाड़ी ने संविधान बचाओ का नैरेटिव निकाला, तब हवा बदल गई। आरक्षण को लेकर भी जिस तरह हवा बनी थी, उसका मुकाबला भी बीजेपी नहीं कर सकी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में आरएसएस ने साथ दिया। चुनावी सभा में देवेंद्र फडणवीस भी संघ के गीत गाए। सूत्रों के अनुसार, आरएसएस ने बीजेपी के चीफ मिनिस्टर पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम भी तय कर दिया। फिर आरएसएस और उसके अनुषांगिक संगठन के कार्यकर्ता मैन टु मैन मार्किंग के आधार पर काम किया। इस बार राहुल गांधी की लाल किताब का असर नहीं हुआ।

हमनें चक्रव्यूह तोड़ा, ये एकता की है जीत...

महाराष्ट्र में बड़ी जीत के बाद गदगद हुए देवेंद्र फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महायुती की जीत पर उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जनता ने प्रधानमंत्री मोदी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में भरोसा जताया है। फडणवीस ने कहा कि अगले मुख्यमंत्री पर कोई विवाद नहीं होगा, तीनों दलों के नेता मिलकर फैसला करेंगे। फडणवीस ने

दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल की चाकू मारकर हत्या, गोविंदपुरी थाने में तैनात थे किरनपाल

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के गोविंदपुरी थाने में तैनात दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल की कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक कॉन्स्टेबल का नाम किरण पाल बताया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह गोविंदपुरी की गली नंबर 13 में कॉन्स्टेबल किरनपाल की लाश पड़ी मिली थी। उनकी चाकू से गोदकर हत्या की गई थी। हत्या के वक्त किरनपाल अपनी वर्दी में थे और उनकी सरकारी बाइक पास में ही पड़ी मिली थी।

बांद्रा वेस्ट सीट पर भाजपा के कद्दावर नेता आशीष शेलार तीसरी बार बड़ी जीत हासिल की

मुंबई / अकबर खान

मुंबई, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए गए । 20 नवंबर को राज्य की 288 सीटों पर हुए मतदान के बाद शनिवार को सुबह से वोटों की गिनती शुरू हो गई थी । बांद्रा पश्चिम महाराष्ट्र की 288 सीटों में से एक है। गौरतलब है कि बांद्रा को यह सीट कई मामलों में हॉट सीट बनी हुई थी जहाँ कोंग्रस का कब्ज़ा था। वही लगातार तीसरी बार बार बीजेपी ने इस सीट पर मौजूदा विधायक आशीष शेलार को ही उतारा है। वहीं कांग्रेस की तरफ से माजी नगरसेवक आसिफ जकारिया एक बार फिर मैदान में है और इन दोनों के बीच मुकाबला था । इस सीट से महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी विधायक रह चुके हैं। हाल ही में कुख्यात आतंकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के कुछ शूटरों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। बांद्रा पश्चिम विधानसभा निर्वाचन सीट 2008 से अस्तित्व में आई थी। 2008 में विधानसभा सीटों के परिसीमन से पहले यह सीट बांद्रा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत ही आता था। फिलहाल बांद्रा पश्चिम मुंबई उपनगरीय जिले के पांच अन्य विधानसभा क्षेत्रों, विले पार्ले, चंदीवली, कुर्ला, कलिना और बांद्रा पूर्व के साथ मुंबई नॉर्थ सेंट्रल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। 2019 के विधानसभा चुनाव के नतीजों की बात करे तो इस सीट पर भाजपा के कद्दावर नेता आशीष शेलार ने कांग्रेस को हराया था। 2014 के विधानसभा चुनाव में भी आशीष शेलार ने कांग्रेस को मात दी थी और इस सीट पर पिछले 10 साल से भाजपा का ही कब्जा है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में कमांडर सहित दस नक्सली किए गए ढेर

सुरक्षा बलों ने शवों के साथ कई हथियार किए बरामद

सुकमा, 22 नवम्बर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां नक्सलियों के साथ हुई एक मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 10 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि भेज्जी पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में एक जंगल में सुबह गोलीबारी शुरू हुई। यह मुठभेड़ तब शुरू हुई जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों के जवानों ने घटना स्थल से तीन स्वचालित राइफल, एक एके47 इंसास, एसएलआर रायफल सहित कई आधुनिक हथियार बरामद किए गए हैं। बता दें कि केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोराजुगुड़ा, दंतेसपुरम, नागाराम और भंडारपदर के जंगल में मुठभेड़ का मामला सामने आया।

उन्होंने बताया कि जिले के दक्षिण क्षेत्र में कोंटा और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को रवाना किया गया था।

राज्य में इस वर्ष अब तक 107 नक्सली मारे गए

राज्य में इस वर्ष सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में अब तक 107 नक्सली मारे गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुकमा जिले में शुक्रवार सुबह सुरक्षाबलों ने एक बड़ी कार्रवाई में 10 नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार नक्सलवाद के प्रति 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर में विकास, शांति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बेंजामिन नेतन्याहू पर बंटे पश्चिमी देश

तेल अवीव, 22 नवम्बर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) में वॉर क्राइम के आरोप झेल रहे इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गिरफ्तारी के लिए वॉरंट जारी हो चुका है। अब मुद्दा यह है कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गिरफ्तारी कब, कहां और कैसे होगी। इसके अलावा नेतन्याहू की गिरफ्तारी के आर्डर पर पश्चिम देश आपस में बंटे नजर आ रहे हैं। कुछ देशों ने तो यहां तक कह दिया है कि यदि नेतन्याहू ने उनके देश में पैर भी रखा तो वे उन्हें गिरफ्तार करने में देरी नहीं करेंगे।

- कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी होने पर अमेरिका नाराज
- इटली व कनाडा बोले, हमारे यहां आए तो करेंगे गिरफ्तार

फ्रांस व नॉर्वे ने कार्रवाई का किया समर्थन

पेरिस। फ्रांस ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, पूर्व इजरायली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद देफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के लिए आईसीसी का समर्थन किया है। आईसीसी के प्री-ट्रायल चैंबर ने नेतन्याहू और गैलेंट पर युद्ध अपराध का आरोप लगाया है।

यूक्रेन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से की रूस पर दबाव बनाने की अपील

नई दिल्ली, 22 नवम्बर (एजेंसियां)। रूस द्वारा पारंपरिक हथियार से एक नई हाइपरसोनिक मिसाइल ओरेश्निक को यूक्रेन में सफलतापूर्वक दागने पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस पर दबाव बनाने की अपील की। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस पर दबाव बनाने की अपील की। अमेरिका ने इसकी मध्यम-रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल के रूप में पहचान की है। पेंटागन ने इस मिसाइल परीक्षण के बाद कहा कि यह मिसाइल युद्ध क्षेत्र में एक नया खतरा पैदा करती है। वहीं, रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यह अब तक की सबसे उन्नत मिसाइलों में से एक है।

मौसम उत्तरी हवाओं से उत्तर भारत में सर्द हुई रातें

मप्र-उप्र सहित छह राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली, 22 नवम्बर (एजेंसियां)। देश में उत्तर भारत के राज्यों में ठंड व घने कोहरे का असर लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, राजस्थान व मध्य प्रदेश में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। घने कोहरे के कारण उत्तर प्रदेश के गोरखपुर व कानपुर में सुबह विजिबिलिटी घटकर 500 मीटर रह गई। वहीं दूसरी ओर राजस्थान के हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश में भी ठंड का असर कम नहीं हो रहा है। मध्य प्रदेश के 8 शहरों में टेम्प्रेचर 10 डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया। भोपाल में तापमान 10.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यह पिछले 10 साल में नवम्बर का तीसरा सबसे कम तापमान है। जम्मू-कश्मीर के पहाड़ों में बर्फबारी पिछले 2 दिनों से नहीं हो रही है। इसके बावजूद श्रीनगर में तापमान 0.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शोपियां देश का सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान माइनस 3.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। वहीं अनंतनाग में माइनस 3.5 डिग्री, पुलवामा में माइनस 3.4 डिग्री पहुंच गया था। उत्तरी हवाओं का प्रभाव बढ़ने के साथ ही राजस्थान के कई हिस्सों में सर्दी तेज हो गई। सीकर, कोटा व अजमेर में रात का न्यूनतम तापमान औसत से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। अगले एक सप्ताह तक मौसम ड्राई रहने की संभावना है। मध्य प्रदेश में नवम्बर का महीना पिछले साल से भी ठंडा है। भोपाल में 10 साल में तीसरा सबसे कम टेम्प्रेचर है तो इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर व जबलपुर में पारा सामान्य (15 डिग्री) से नीचे पहुंच गया है।

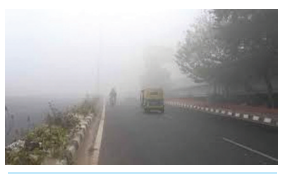

राजस्थान के माउंट आबू में पारा पांच डिग्री

उत्तर-पूर्व के राज्यों में तेज बारिश का अनुमान

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में तेज बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा में बिजली गिरने के साथ तेज हवा और तेज बारिश का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों में ठंड का असर उत्तर भारत के राज्यों से कम है। तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में 1 हफ्ते से तेज बारिश का दौर चल रहा था।

संपादकीय

गुजारा भत्ता पर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

तलाक से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसकी प्रक्रिया के दौरान पत्नी को 1.75 लाख रुपये महीना गुजारा भत्ता दिया जाए। बेशक यह रकम पहली नजर में खासी बड़ी लगती है, लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि फैसला जिन आधारों पर दिया गया है, वे व्यक्ति की गरिमा को नए सिरे से रेखांकित करते हैं। मसला एक ऐसे कपल का था जिसकी 2008 में शादी हुई और 2019 में पति की ओर से तलाक की अर्जी दी गई। पति को पहली शादी से एक बेटा था, मगर इस शादी में कोई संतान नहीं हुई। दिलचस्प है कि फैमिली कोर्ट ने पति की आमदनी के तमाम स्रोतों का ब्योरा देखने के बाद अंतरिम गुजारा भत्ता 1.75 लाख रुपये मासिक ही तय किया था जिसे हाईकोर्ट ने घटाकर 80,000 रुपये मासिक कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए फैमिली कोर्ट के फैसले को बहाल किया। मामले की सुनवाई के दौरान कई तरह के सवाल उठे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सबसे ज्यादा अहमियत इस बात को दी कि शादी के दौरान महिला जिस तरह की लाइफस्टाइल की आदी थी, वह बरकरार रहनी चाहिए। यह बात भी अदालत की जानकारी में आई कि शादी से पहले महिला जॉब कर रही थी जो उसे पति की जिद के कारण छोड़नी पड़ी। अपने देश में अक्सर शादी के बाद महिलाओं को नौकरी छोड़नी पड़ती है जिससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता समाप्त हो जाती है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि गुजारा भत्ता तय करते समय जिंदा रहने की न्यूनतम आवश्यकताओं को ही नहीं, सोशल स्टेटस को भी प्रमुख आधार बनाया जाए। वैसे, यह फैसला अपने आप में अनोखा या अपवाद नहीं है। हाल के वर्षों में आए कई अहम फैसलों की यही दिशा रही है। फिर भी इस फैसले की अहमियत इस मायने में है कि इसने न्यायपालिका के इस प्रगतिशील रुख पर इतना जोर दिया है कि यह एक झटके में समाज के संज्ञान में आता है। ध्यान रहे, भारत आज भी उन देशों में शामिल है, जहां तलाक की दर न्यूनतम स्तर पर है। ऐसा तब है जब नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 2019-21 के मुताबिक देश में 18 से 49 वर्ष के उम्र की करीब 30 फीसदी शादीशुदा महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं। जाहिर है, मजबूरी में चलती शादियों को तलाक से बेहतर मानने की सोच बदलने की जरूरत है और सुप्रीम कोर्ट के ऐसे फैसले इसमें मदद कर सकते हैं।

भारत में एकात्म मानववाद के सिद्धांत को अपनाकर हो आर्थिक विकास

भारतीय संस्कृति के अनुसार ही भारतीय आर्थिक दर्शन में भी सृष्टि की समस्त इकाईयों, अर्थात व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र एवं समष्टि को एक माला की कड़ी के रूप में देखा गया है। एकता की इस कड़ी को ही पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने 'एकात्म मानववाद' बताया है। एकात्म मानववाद वैदिक काल से चले आ रहे सनातन प्रवाह का ही युगानुरूप प्रकटीकरण है। सनातन हिंदू दर्शन आत्मवादी है। आत्मा ही परम चेतन का अंश है। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने समाज और राष्ट्र में भी चित्त, आत्मा, मन, बुद्धि एवं शरीर आदि का समुच्चय देखा है। अतः इस एकात्म मानववादी दर्शन के उतने ही आयाम एवं विस्तार है, जितनी मनुष्य की आवश्यकताएं हैं। इन विभिन्न आवश्यकताओं का केंद्र बिंदु अर्थ को ही माना गया है।

(प्रह्लाद सबनानी)

पश्चिम के विकासवादी दर्शन का केंद्र मुनाफा, स्वार्थ एवं लाभ है। परंतु, हिंदू आर्थिक चिंतन के आधार पर खड़े एकात्म मानववाद का आधार अथवा केंद्र परमार्थ है। इसलिए एकात्म मानववादी आर्थिक विकास में विकास केवल अर्थ के लिए नहीं वरन परमार्थ के लिए है।

भारतीय संस्कृति के अनुसार ही भारतीय आर्थिक दर्शन में भी सृष्टि की समस्त इकाईयों, अर्थात व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र एवं समष्टि को एक माला की कड़ी के रूप में देखा गया है। एकता की इस कड़ी को ही पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने 'एकात्म मानववाद' बताया है। एकात्म मानववाद वैदिक काल से चले आ रहे सनातन प्रवाह का ही युगानुरूप प्रकटीकरण है। सनातन हिंदू दर्शन आत्मवादी है। आत्मा ही परम चेतन का अंश है। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने समाज और राष्ट्र में भी चित्त, आत्मा, मन, बुद्धि एवं शरीर आदि का समुच्चय देखा है। अतः इस एकात्म मानववादी दर्शन के उतने ही आयाम एवं विस्तार है, जितनी मनुष्य की आवश्यकताएं हैं। इन विभिन्न आवश्यकताओं का केंद्र बिंदु अर्थ को ही माना गया है। कौटिल्य ने अर्थशास्त्र की परिभाषा में लिखा है कि अर्थशास्त्र का मुख्य अभिप्राय, अप्राप्ति की प्राप्ति; प्राप्ति का संरक्षण तथा संरक्षित का उपभोग है। एकात्म मानववाद में भी आर्थिक व्यवहार उक्त आधारों पर ही टिके होते हैं। इस प्रकार, अर्थशास्त्र की दिशा स्वतः ही विकासवादी हो जाती है।

भारत के नागरिक पिछले लम्बे समय से पश्चिमी शिक्षा व्यवस्था में पले बढ़े हैं अतः वे भारत की पौराणिक एवं वैदिक ज्ञान परम्परा से विमुख हो गए हैं। इसी प्रकार, प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं आर्थिक चिंतन से भी हम भारतीय इतने अधिक दूर हो गए हैं कि प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र को सिर्फ उक्ति एवं सिद्धांत मानने के साथ साथ अव्यवहारिक भी मानने लगे हैं। जबकि, वैदिक साहित्य में धन के 22 से अधिक प्रकारों की स्पष्ट व्याख्या की गई है, जिसमें शेयर से लेकर आय एवं मूलधन भी सम्मिलित है। प्राचीन भारत के आर्थिक चिंतन को आज यदि लागू किया जाता है तो केवल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता का कल्याण होगा, क्योंकि हिंदू अर्थशास्त्र एकात्म मानववाद पर आधारित है, जिसमें व्यक्ति अपने लिए नहीं, वरन समष्टि के लिए जीता है। इसे निम्नलिखित सूत्र के माध्यम से अधिक स्पष्ट किया जा सकता हैं -

हिंदू अर्थशास्त्र = व्यक्ति × परमार्थ (एकात्म मानववाद एवं त्याग)

पश्चिमी अर्थशास्त्र = व्यक्ति × स्वार्थ (आत्म केंद्रित एवं लाभ)

एकात्म मानववादी अर्थशास्त्र में व्यक्ति अपने एवं अपनों के स्थान पर समष्टि तथा चराचर और परमार्थ के लिए जीता है। जिसमें स्वयं के लिए मुनाफा एवं लाभ के स्थान पर दूसरों की चिंता मुख्य होती है। परंतु, इसके ठीक विपरीत पश्चिम का अर्थशास्त्र आत्मकेंद्रित व्यवहार एवं स्वार्थ पर खड़ा है।

पश्चिम के विकासवादी दर्शन का केंद्र मुनाफा, स्वार्थ एवं लाभ है। परंतु, हिंदू आर्थिक चिंतन के आधार पर खड़े एकात्म मानववाद का आधार अथवा केंद्र परमार्थ है। इसलिए एकात्म मानववादी आर्थिक विकास में विकास केवल अर्थ के लिए नहीं वरन परमार्थ के लिए है। हिंदू आर्थिक दर्शन परम्परा में विकास की अवधारणा को समग्रता में व्यक्त किया गया है। यह विकास त्रिगुण आधारित है। इस त्रिगुण में-

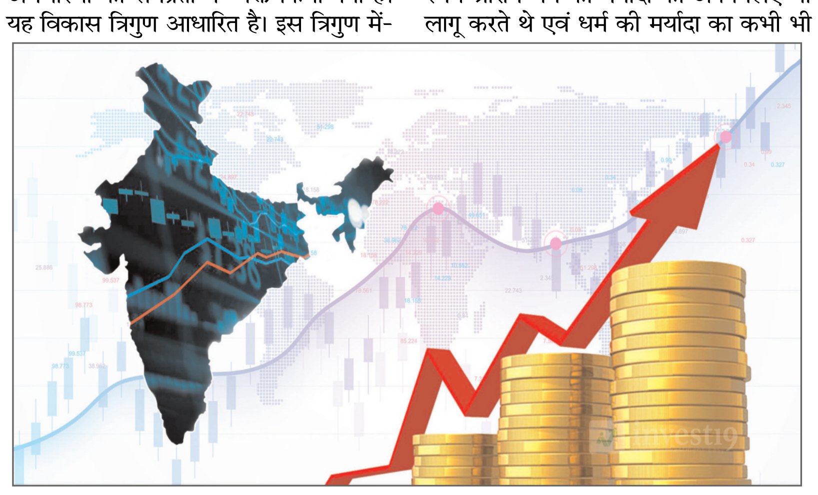

सत, रज एवं तम सम्मिलित है। प्राचीन भारतीय चिंतन में सत्तवादी विकास श्रेष्ठ माना गया है। इस सत्तवादी विकास के तत्व हैं ज्ञान, तपस्या, सदकर्म, प्रेम एवं समत्वभाव तथा इसकी उपस्थिति सतयुग में मानी गई है। विकास का दूसरा स्वरूप रजस को माना गया। इस रजसवादी विकास के तत्व हैं अहंबुद्धि, प्रतिष्ठा, मानबढ़ाई, लौकिक, पारलौकिक सुखा मत्सर, दम्भ एवं लोभ तथा इसकी उपस्थिति त्रेतायुग में मानी गई है। इसे मानवीय और मध्यम माना गया है। इसी प्रकार, विकास का तीसरा स्वरूप तमस को माना गया है। इस तमसवादी विकास के तत्व हैं असत्य, माया, कपट, आलस्य, निंदा, हिंसा, विषाद, शोक, मोह, भय तथा इसकी उपस्थिति कलयुग में मानी गई है। इस प्रकार सत, रज एवं तम गुणों के आधार पर उक्त विकास के तीन रूपों के साथ एक मिश्रित विकास का भी मॉडल माना गया है, जिसमें रजस एवं तमस गुण मिले होते हैं और इस मॉडल की उपस्थिति द्वापर युग में मानी गई है। इस प्रकार भारतीय चिंतन परम्परा में विकास के उक्त चार प्रारूप माने गए हैं। इन चारों प्रारूपों का उपयोग चार युगों सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग एवं कलियुग में होता पाया गया है। इसमें सबसे उत्तम सतयुगी विकास प्रारूप को माना गया है तथा सबसे अधम कलियुगी विकास प्रारूप को माना गया है। भारत में, वर्तमान खंडकाल में त्रेतायुग के रामराज्य को भी बहुत अच्छा माना गया है एवं इसके स्थापना की कल्पना की जाती रही है। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने महात्मा गांधी जी के ट्रस्टी शिप एवं हिंद स्वराज्य के विवेचन को भी अपने विमर्श में स्थान दिया है। इस प्रकार भारतीय चिंतन परम्परा का आदर्श रामराज्य है, इसमें भरत जैसे राजा एवं जनक जैसे राजा तपस्वी के रूप में राज्य करते थे। स्वयं श्रीराम धर्म की मर्यादा को अपने लिए भी लागू करते थे एवं धर्म की मर्यादा का कभी भी उल्लंघन नहीं करते थे। सदैव प्रजा एवं प्रकृति की रक्षा एवं संवर्धन करते रहते हैं। यह एक ऐसा विकास का प्रारूप है जो आज भी आदर्श है। रामराज्य की अवधारणा भी एकात्म मानववाद के आधारों पर खड़ी थी। यह शासन तथा विकास एवं व्यवस्था में सब की भागीदारी तथा सब के लिए व्यवस्था थी, जो प्रकृति आधारित विकास पर बल देती थी।

भारत में सबसे छोटी इकाई व्यक्ति पर बल दिया गया है और उसका संगठन किया गया है। भारत में व्यक्ति के स्वरूप को जिस प्रकार संगठित और एकात्म किया गया वैसा पश्चिम में नहीं हो सका है। पश्चिम में केवल भौतिक प्रगति पर ही बल दिया गया है। पूरे विश्व में आज सर्वाधिक विकसित राष्ट्र अमेरिका को माना जाता है। अमेरिका में नागरिकों की भौतिक प्रगति तो बहुत हो गई है, परंतु अमेरिका के नागरिकों में सुख, संतोष और समाधान का पूर्णतया अभाव है। अमेरिका में व्यक्ति के जीवन में परस्पर विरोध, असमाधान, असंतोष, सर्वाधिक अपराध और आत्महत्याएं बहुत बड़ी मात्रा में व्याप्त हैं। अमेरिकी नागरिकों में तीव्र रक्तचाप, हृदय रोग एवं अपराध की प्रवृत्ति बहुत अधिक मात्रा में पाई जा रही है। पूरे विश्व को प्रभावित करने की क्षमता रखने वाला अमेरिका अपने नागरिकों के लिए भौतिक समाधान से आगे बढ़कर मानसिक समाधान प्राप्त नहीं कर सका है। इस धरा पर जन्म लेने के बाद प्रत्येक व्यक्ति का अंतिम लक्ष्य आखिर है क्या? सम्भवतः सुख जो चिरंतन एवं घनीभूत हो। इतनी भौतिक प्रगति करने के बाद भी अमेरिका एवं यूरोपीय देशों के नागरिकों में समाधान व सुख का अभाव है। ईसा ने कहा था कि 'सम्पूर्ण संसार का साम्राज्य भी प्राप्त कर लिया और यदि आत्मा का सुख खो दिया तो उससे क्या लाभ?'

भारत में छोटी से छोटी इकाई व्यक्ति संगठित और एकात्म है एवं व्यक्ति को खंडो में विभक्त समझने की बुद्धिमत्ता प्रदर्शित नहीं की गई है। परंतु, अमेरिका के एक मनोवैज्ञानिक ने वर्णन किया है कि 'सड़कों पर एक ऐसी बड़ी भीड़ हमेशा लगी रहती है जो आत्मविहीन, मानसिक दृष्टि से अस्वस्थ, एक दूसरे से अपरिचित और निःसंग स्थिति में है। उनका अपने ही साथ समन्वय नहीं तो दुनिया के साथ क्या होगा? व्यक्ति का समाज के साथ समन्वय नहीं। व्यक्ति भी संगठित और एकात्म इकाई नहीं। केवल भौतिक स्तर पर विचार करने के कारण वहां व्यक्ति को भौतिक एवं आर्थिक प्राणी माना गया है। यदि भौतिक आर्थिक उत्कर्ष मानव को मिले तो उससे सुख की प्राप्ति होगी, यह माना गया। किंतु भौतिक आर्थिक उत्कर्ष की चरम सीमा होने पर भी सुख का अभाव है और इसका कारण यही है कि वहां खंड खंड में विचार करने की प्रणाली है, जिसमें व्यक्ति को केवल भौतिक आर्थिक प्राणी मान लिया गया है और व्यक्ति के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर संगठित एवं एकात्म रूप में विचार नहीं किया गया है।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में यह माना गया है कि मनुष्य एक आर्थिक प्राणी भी है एवं 'आहार, निद्रा, भय, मैथुन, आर्थिक आवश्यकताओं, आदि' की तृप्ति की बात भारत में भी कही गई है। इन जरूरतों की पूर्ति होना चाहिए, इस तथ्य को भी स्वीकार किया गया है।

किंतु भारत में मनुष्य को आर्थिक प्राणी से कुछ ऊपर भी माना गया है। मनुष्य आर्थिक प्राणी के साथ साथ वह एक शरीरधारी, मनोवैज्ञानिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक प्राणी भी है। भारतीय मनुष्य के व्यक्तित्व के अनेकानेक पहलू है। अतः यदि सम्पूर्ण व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का संगठित और एकात्म रूप से विचार नहीं हुआ तो उसको सुख समाधान की अवस्था प्राप्त नहीं हो सकती। इसलिए भारत में इस दृष्टि से संगठित एवं एकात्म स्वरूप का विचार हुआ है।

दिल्ली का लगातार वायु प्रदूषण संकट

दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए निवारक उपाय स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है जैसे सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन और हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन पर स्विच करना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को काफ़ी हद तक कम कर सकता है। दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत, सभी डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को 2023 तक अपने बेड़े का 50त्न और 2025 तक 100त्न इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। किसानों को बायो-डीकंपोजर और नो-बर्न तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने से पराली जलाने में कमी आ सकती है। महाराष्ट्र में सगुना चावल तकनीक पराली जलाने को कम करती है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ाने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे उत्सर्जन पर अंकुश लग सकता है। दिल्ली मेट्रो चरण ढ्ढङ्क का विस्तार कनेक्टिविटी में सुधार और यातायात से सम्बंधित प्रदूषण को कम करने का लक्ष्य रखता है। पूसा द्वारा विकसित बायोडीकंपोजर का उपयोग पराली प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण विकल्पों में से एक है।

-डॉ सत्यवान सौरभ भारत अपने विषैले धुएँ को साफ़ करने में क्यों विफल रहा है? राज्य के अधिकारी एक प्रायोगिक योजना का प्रचार करते हैं जिसमें बारिश के लिए बादलों को उत्तेजित करना शामिल है, लेकिन वैज्ञानिक संशय में हैं। तकनीकी प्रगति और नीतिगत हस्तक्षेपों के बावजूद दिल्ली को अक्सर दुनिया भर में सबसे प्रदूषित शहरों में से एक माना जाता है, जहाँ वायु गुणवत्ता में गंभीर गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। नवंबर 2024 में, वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर स्तर को पार कर गया, जो कुछ क्षेत्रों में 500 तक पहुँच गया, जो 400 की ÷गंभीर÷ सीमा से कहीं अधिक है। यह भयावह स्थिति शहर के बढ़ते प्रदूषण संकट से निपटने के लिए प्रभावी, दीर्घकालिक समाधानों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। सामान्य वायु प्रदूषण भारत में अपनी आधी से अधिक बिजली बनाने के लिए कोयले को जलाने से जुड़ा है। दिल्ली में, यह लाखों कारों से होने वाले उत्सर्जन और निर्माण उद्योग से निकलने वाले धुएँ के साथ मिलकर काम करता है, जहाँ कोई प्रदूषण नियंत्रण नहीं है।

कुछ लोग अक्टूबर के अंत में हिंदू रोशनी के त्यौहार दिवाली के दौरान पटाखों के व्यापक उपयोग को भी इसके लिए दोषी ठहराते हैं। अधिकारियों ने 2017 में पारंपरिक पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया था और लोगों को केवल पर्यावरण के अनुकूल रोशनी का उपयोग करने की अनुमति दी थी, लेकिन नियम को ठीक से लागू नहीं किया गया।पीएम2.5, प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कण पदार्थ, फेफड़ों में गहराई तक जाकर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन या हृदय की स्थिति वाले लोगों के लिए। हर साल, भारत में श्वसन सम्बंधी बीमारियों से सैकड़ों हज़ार लोग मरते हैं। 2021 में विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में पाया गया कि भारत का कोई भी शहर प्रति घन मीटर हवा में 5 माइक्रोग्राम पीएम2.5 के अद्यतन विश्व स्वास्थ्य संगठन सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करता है। भारत के लगभग आधे राज्य इस सीमा को 10 गुना से भी ज़्यादा पार कर गए हैं। तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण और निजी वाहनों की बढ़ती संख्या कण पदार्थ उत्सर्जन में महत्त्वपूर्ण योगदान देती है। सफ़र इंडेक्स से पता चलता है कि वाहन प्राथमिक प्रदूषक हैं, जो पीएम2.5 उत्सर्जन में लगभग 40 प्रतिशत और नाइट्रोजन ऑक्साइड में 81 प्रतिशत का योगदान करते हैं। पुरानी तकनीक और उचित उत्सर्जन नियंत्रण की कमी के कारण दिल्ली और उसके आसपास के उद्योग ज़हरीली गैसें छोड़ते हैं। एनजीटी ने सीपीसीबी द्वारा प्रस्तुत क्षमता रिपोर्ट के आधार पर जिगजैग तकनीक वाले ईंट भट्टों सहित सभी ईंट भट्टों को बंद करने का निर्देश दिया है। पंजाब और हरियाणा में फ़सल अवशेषों को जलाने से दिल्ली की हवा में भारी मात्रा में धुआं और कण निकलते हैं। एनसीआर में चल रही निर्माण परियोजनाओं से अपर्याप्त नियंत्रण उपायों के कारण बड़ी मात्रा में धूल उत्पन्न होती है। राजमार्गों और मेट्रो लाइनों के निर्माण से परियोजना निष्पादन के दौरान पीएम10 के स्तर में वृद्धि हुई है। भारत-गंगा के मैदान में दिल्ली का स्थान और सर्दियों के दौरान कम हवा की गति प्रदूषकों को फंसाती है, जिससे घने धुएँ की परत बनती है। दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए निवारक उपाय स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है जैसे सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन और हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन पर स्विच करना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को काफ़ी हद तक कम कर सकता है। दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत, सभी डिलीवरी सेवा प्रदाताओं को 2023 तक अपने बेड़े का 50त्न और 2025 तक 100त्न इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। किसानों को बायो-डीकंपोजर और नो-बर्न तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने से पराली जलाने में कमी आ सकती है। महाराष्ट्र में सगुना चावल तकनीक पराली जलाने को कम करती है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ाने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे उत्सर्जन पर अंकुश लग सकता है। दिल्ली मेट्रो चरण ढ्ढङ्क का विस्तार कनेक्टिविटी में सुधार और यातायात से सम्बंधित प्रदूषण को कम करने का लक्ष्य रखता है। पूसा द्वारा विकसित बायोडीकंपोजर का उपयोग पराली प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण विकल्पों में से एक है।

निर्माण स्थलों पर पानी का छिड़काव और एंटी-स्मॉग गन जैसे धूल दबाने वाले पदार्थों के इस्तेमाल को अनिवार्य करना। 2021 की सर्दियों के दौरान, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने आपातकालीन उपायों की एक श्रृंखला शुरू की, निर्माण पर प्रतिबंध लगाया, तीव्र धूल नियंत्रण उपायों को लागू किया। हरित स्थानों का विस्तार करना और सड़कों के किनारे पेड़ लगाना प्राकृतिक वायु शोधक के रूप में कार्य कर सकता है। नगर वन योजना एनसीआर उप-क्षेत्रों में हरियाली के लिए एक अवसर है। दिल्ली के वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए उपचारात्मक उपाय। महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में स्मॉग टावर लगाने से स्थानीय स्तर पर प्रदूषक स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। कॉनॉट प्लेस के स्मॉग टावर ने प्रदूषण के चरम समय के दौरान वायु गुणवत्ता में स्थानीय सुधार दिखाया है। वास्तविक समय प्रदूषण निगरानी सेंसर जैसे उन्नत निगरानी उपकरण लक्षित हस्तक्षेपों के लिए सटीक डेटा प्रदान कर सकते हैं वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दिल्ली की वायु गुणवत्ता संकट को दूर करने के लिए अंतर-राज्यीय सहयोग को बढ़ावा देता है।

पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं पर जनता को शिक्षित करना, जैसे कि वाहनों को निष्क्रिय रखना, प्रदूषण के स्तर को काफ़ी हद तक प्रभावित कर सकता है। ÷रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ÷ जैसे अभियान उत्सर्जन को कम करने के लिए व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करते हैं। सामान्य वायु प्रदूषण भारत में कोयले को जलाने से जुड़ा है, जिससे इसकी आधी से ज़्यादा बिजली पैदा होती है। दिल्ली में, यह लाखों कारों से निकलने वाले उत्सर्जन और निर्माण उद्योग से निकलने वाले धुएँ के साथ मिलकर होता है, जहाँ प्रदूषण नियंत्रण नहीं है। अक्टूबर से जनवरी तक यह संकट और गहरा जाता है, जब ठंड के मौसम के साथ-साथ बड़े पैमाने पर फ़सल के ठूंठ जलाए जाते हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के पड़ोसी राज्यों से धुआँ आता है, क्योंकि हज़ारों किसान फ़सल के मौसम के बाद कृषि अपशिष्ट जलाते हैं। हालाँकि, सर्दियों की भारी हवा प्रदूषकों को ज़मीन के करीब फँसा देती है, जिससे धुआँ और भी खराब हो जाता है।

- डॉश सत्यवान सौरभ, कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट, 333, परी वाटिका, कौशल्या भवन, बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा - 127045, मोबाइल ~9466526148,01255281381

केजरीवाल को आप के कैडर पर अब नहीं रहा भरोसा-बागियों के सहारे जीतेंगे चुनाव?

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी द्वारा 21 नवम्बर गुरुवार को जारी किए गए 11 उम्मीदवारों की लिस्ट में यह भावना साफ-साफ नजर आती है। केजरीवाल ने किराड़ी विधानसभा सीट से अपने मौजूदा विधायक ऋतुराज झा का टिकट काट कर हाल ही में भाजपा से आए इलाके के पूर्व विधायक अनिल झा को उम्मीदवार बनाया है।

> नई तरह की राजनीति करने का दावा कर, राजनीति के मैदान में उतरे अरविंद केजरीवाल अब थकते हुए से नजर आ रहे हैं। शराब घोटाला, डीटीसी बस घोटाला और इस तरह के अनगिनत घोटालों का आरोप झेल रहे केजरीवाल भले ही कितनी भी मजबूती से अपना बचाव करने का प्रयास करें लेकिन शीशमहल ने उनकी छवि पर बड़ा सवालिया निशान तो लगा ही दिया है। जेल से बाहर निकल कर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल भले ही लाख तर्क दें लेकिन भारतीय राजनीति की इस खासियत और इतिहास को भी वह बखूबी समझते हैं और जानते भी हैं।

(संतोष पाठक)

अरविंद केजरीवाल इस बार दूसरी पार्टियों के बागियों पर ज्यादा भरोसा कर रहे हैं। असुरक्षा की भावना ने उन्हें इस तरह से घेर लिया है कि इस बार वो पार्टी के विधायक दल में भी पूरी तरह से केजरीवाल को नेता मानने वालों को ही जीता कर लाना चाहते हैं।

नई तरह की राजनीति करने का दावा कर, राजनीति के मैदान में उतरे अरविंद केजरीवाल अब थकते हुए से नजर आ रहे हैं। शराब घोटाला, डीटीसी बस घोटाला और इस तरह के अनगिनत घोटालों का आरोप झेल रहे केजरीवाल भले ही कितनी भी मजबूती से अपना बचाव करने का प्रयास करें लेकिन शीशमहल ने उनकी छवि पर बड़ा सवालिया निशान तो लगा ही दिया है। जेल से बाहर निकल कर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल भले ही लाख तर्क दें लेकिन भारतीय राजनीति की इस खासियत और इतिहास को भी वह बखूबी समझते हैं और जानते भी हैं। केजरीवाल को यह अहसास है कि आज की तारीख में वह मुख्यमंत्री नहीं है। वर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी भले ही सार्वजनिक रूप से यह कहती रहें कि केजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के लिए वह यह विधानसभा चुनाव जीतना चाहती हैं लेकिन आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो को इस बात का अहसास है कि अगर उनकी पार्टी जीत भी गई तो भी एक महिला को हटाकर मुख्यमंत्री बनना उनके लिए आसान नहीं होगा।

शायद यही वजह है कि पार्टी के मूल कैडर से हटकर अरविंद केजरीवाल इस बार दूसरी पार्टियों के बागियों पर ज्यादा भरोसा कर रहे हैं। असुरक्षा की भावना ने उन्हें इस तरह से घेर लिया है कि इस बार वो पार्टी

के विधायक दल में भी पूरी तरह से केजरीवाल को नेता मानने वालों को ही जीता कर लाना चाहते हैं। यहां यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि पार्टी के सुप्रीमो होने और पार्टी पर मजबूत पकड़ होने के बावजूद केजरीवाल जेल में रहने के दौरान तमाम नियमों को धत्ता बताते हुए अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल से आदेश तो भिजवाते रहे लेकिन बगावत के डर से अपनी पत्नी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने की हिम्मत नहीं कर पाए थे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी द्वारा 21 नवम्बर गुरुवार को जारी किए गए 11 उम्मीदवारों की लिस्ट में यह भावना साफ-साफ नजर आती है। केजरीवाल ने किराड़ी विधानसभा सीट से अपने मौजूदा विधायक ऋतुराज झा का टिकट काट कर हाल ही में भाजपा से आए इलाके के पूर्व विधायक अनिल झा को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा से ही आए ब्रह्म सिंह तंवर को छतरपुर से और बीबी त्यागी को लक्ष्मी नगर से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं कांग्रेस से टिकट के लिए आम आदमी पार्टी में शामिल हुए जुबैर चौधरी को सीलमपुर, सुमेश शौकीन को मटियाला और वीर सिंह धींगान को सीमापुरी से टिकट थमा दिया गया है। कांग्रेस से विधायक रह चुके वीर सिंह धींगान को टिकट देते समय केजरीवाल शायद यह भी भूल गए कि आंदोलन के शुरुआती दौर में उनकी साथी रह चुकी और 2005 से उनके हर संघर्ष में साथ देने वाली स्वर्गीय संतोष कोली ने इनके खिलाफ लंबा संघर्ष किया था। यानी आम आदमी पार्टी ने अपने 11 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में भाजपा और कांग्रेस से आने वाले 6 नेताओं को टिकट थमा कर यह बता दिया है कि इस बार अरविंद केजरीवाल को आप के कैडर की भाजपा और कांग्रेस के बागियों पर ज्यादा भरोसा है। आप को 59 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान अभी और करना है और यह माना जा रहा है कि आने वाली लिस्टों में भी यही ट्रेंड जारी रहेगा।

दैनिक महाराष्ट्र समचार मलिक मुद्रक प्रकाशांन व संपादक अकबर खान प्लोट ने 302, वी पी वर्डे रोड ए ,आर औटो वोर्क्स बिहाइंड गेटी सिनेमा बांद्रा वैस्ट मुंबई -400050 महाराष्ट्र, मोबाइल नंबर 9152073782. प्राचीता प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड- गला नः13 मकबा बिल्डिंग नियर एस ब्रिज एन एम जोशी मर्ग भैकल्ला वैस्ट मुंबई- 400027. किसी भी सुरत में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

वर्ली विधानसभा चुनाव से आदित्य ठाकरे ने जीती सीट

मुंबई / अकबर खान

मुंबई, महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री और शिवसेना (UBT) नेता आदित्य ठाकरे ने राज्यसभा सांसद मिलिंद मुरली देवड़ा को 8,801 मतों के अंतर से हराकर वर्ली सीट जीत ली। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, ठाकरे को 63,324 वोट मिले हैं। छठे दौर की मतगणना में उन्होंने 21,725 वोटों से बढ़त बना ली थी।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की ओर से मैदान में उतरे देवड़ा पहले बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन बाद में 54,523 वोटों से पीछे हो गए। हाई प्रोफाइल सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला था। दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ रहे ठाकरे का मुकाबला उनके चाचा राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के उम्मीदवार संदीप देशपांडे और शिंदे सेना के उम्मीदवार देवड़ा से था।

ठाकरे ने वर्ली-सी लिंक और कोविड-19 महामारी के दौरान किए गए काम जैसी परियोजनाओं पर भरोसा जताया था, जबकि देवड़ा ने सीट पर अपने गहरे पारिवारिक संबंधों को दर्शाया। देवड़ा लंबे समय तक कांग्रेस के साथ थे, लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले वे एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल हो गए। 2019 के चुनावों में आदित्य ठाकरे ने 89,248 वोटों के अंतर से सीट जीती थी।

इस बीच, रुझानों से पता चलता है कि ठाकरे का एमवीए गठबंधन राज्य की लड़ाई में पीछे चल रहा है। भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति को 155 सीटें, कांग्रेस के नेतृत्व वाली एमवीए को 120 सीटें और अन्य को 13 सीटें मिलने का अनुमान है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव महा विकास अघाड़ी (एमवीए) - जिसमें शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) और कांग्रेस शामिल हैं - और महायुति गठबंधन जिसमें शिवसेना, एनसीपी और भारतीय जनता पार्टी शामिल हैं, इनको बीच मुकाबला रहा है। विधानसभा में 288 सीटें हैं और किसी भी राजनीतिक दल को साधारण बहुमत वाली सरकार बनाने के लिए 145 सीटों की आवश्यकता होती है।

गेटवे लिटफेस्ट का नया लोगो व विजुअल शुरू

● ये नए जमाने की कहानी और विरासत का मिश्रण है द्य
● लिटफेस्ट 28 फरवरी और 1 मार्च, 2025 को मुंबई के रॉयल ओपेरा हाउस में आयोजित किया जाएगा

मुंबई / अकबर खान

मुंबई, भारत में प्रसिद्ध क्षेत्रीय भाषा साहित्य महोत्सवों में से एक, आठवें गेटवे लिटफेस्ट 2025 ने अपना नया लोगो और विजुअल पहचान मुंबई लॉन्च की, जिसमें लिटफेस्ट की भावना को दर्शाया गया और भारतीय भाषा साहित्य की दुनिया को जोड़ने की अपनी यात्रा के अगले चरण को चिह्नित किया गया। बता दे की शुक्रवार, 22 नवंबर, को मुंबई प्रेस क्लब मे आयोजित एक कार्यक्रम में, इस लोकप्रिय साहित्य महोत्सव की नई और सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन की गई दृश्य पहचान का अनावरण लेखिका, विचारक और बेस्टसेलर केमिकल खिचड़ीः हाउ आई हैक्ड माई मेंटल हेल्थ की लेखिका अपर्णा पीरामल राजे, प्रख्यात ब्रांड और मार्केटिंग लीडर और कोटक महिंद्रा बैंक के पूर्व अध्यक्ष और सीएमओ कार्थी मार्शन और पत्रकार, कार्यकर्ता और वंदना फाउंडेशन की सह-संस्थापक और माउंटेन टेल्सः लव एंड लॉस इन द म्युनिसिपैलिटी ऑफ कास्टअवे बिलॉन्गिंग्स की लेखिका सौम्या रॉय के साथ लिटफेस्ट आयोजन समिति के सदस्य, मोहन काकनादान, महोत्सव निदेशक, के जे बेनिचन, निदेशक और विजय सरूपिया, कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष द्वारा किया गया।

भारतीय भाषा के लेखकों के कार्यों का जश्न मनाएं और भारतीय भाषा लेखन की भावना को स्वीकार करें। गेटवे लिटफेस्ट अपने आठवें संस्करण में एक साहित्यिक उत्सव से कहीं अधिक होने का लक्ष्य रखता है। इसका लक्ष्य एक गतिशील मंच के रूप में उभरना है जो साहित्य के प्रति उत्साही, नवप्रवर्तकों, रचनाकारों और ब्रांडों को एक साथ लाता है। अपनी स्थापना के बाद से, गेटवे लिटफेस्ट सही मायने में भारतीय भाषा के लेखकों की आवाज़ को बुलंद कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, साहित्य महोत्सव ने 80 से अधिक सत्रों में 8 ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता और 100 से अधिक साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता लेखकों सहित 400 से अधिक लेखकों के साथ सहयोग किया है। लिटफेस्ट संथाली, कोसली, कोंकणी आदि जैसी अज्ञात और कम ज्ञात भाषाओं को राष्ट्रीय स्तर पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आठवां गेटवे लिटफेस्ट 2025 लेखकों, कवियों और विचारकों के शानदार चयन के साथ वापस आएगा। गेटवे लिटफेस्ट 2025 अल्फाबेट्स सीरीज के एक हिस्से के रूप में, मुख्य कार्यक्रम से पहले, वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में भारतीय भाषाओं का प्रभाव विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई थी। ब्रांड और मार्केटिंग लीडर कार्थी मार्शन और लेखिका और विचार नेता अपर्णा पीरामल राजे उस चर्चा के पैनलिस्ट थे और पत्रकार और कार्यकर्ता सौम्या रॉय ने सत्र का संचालन किया। मनोरंजक चर्चा में भाग लेते हुए, कार्थी ने कहा, डिजिटल मीडिया और तकनीकें दृश्य और ऑडियो की शुरूआत के साथ पढ़ने की आदत या सामग्री उपभोग की आदत को बदल रही हैं। उन्होंने क्षेत्रीय भाषा के साहित्य को भी सुलभ बनाया है और भाषाओं के लेखन के तरीके को प्रभावित किया है। अपर्णा ने कहा, भाषाई विविधता भारत को वैश्विक साहित्य क्षेत्र में विचार नेतृत्व बनाने के लिए मजबूती से खड़ा करती है। भाषाई विविधता कहानियों को भौगोलिक क्षेत्रों में ले जाती है। अपनी पुस्तक का चीनी और जापानी में अनुवाद करने की प्रक्रिया में भाग लेने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, सौम्या ने कहा, कभी-कभी, एक गहरा व्यक्तिगत अनुभव अद्वितीय रूप से सार्वभौमिक हो जाता है। भाषाई विविधता वास्तव में विचारों की विविधता के बीच बहुलता का समर्थन करती है। गेटवे लिटफेस्ट 2025 अल्फाबेट्स जीएलएफ के तहत स्थानीय पुस्तकालयों, पुस्तक क्लबों, कॉलेजों, साहित्यिक क्लबों और अन्य संस्थानों में आयोजित समुदाय-संचालित सूक्ष्म कार्यक्रमों की एक श्रृंखला है। इसका लक्ष्य विभिन्न विषयों पर केंद्रित जीवंत चर्चाओं के माध्यम से शहरों और कस्बों में पुस्तक प्रेमियों के बीच सार्थक संबंधों को बढ़ावा देना है।

भारतीय भाषा के लेखकों के कार्यों का जश्न मनाएं और भारतीय भाषा लेखन की भावना को स्वीकार करें। गेटवे लिटफेस्ट अपने आठवें संस्करण में एक साहित्यिक उत्सव से कहीं अधिक होने का लक्ष्य रखता है। इसका लक्ष्य एक गतिशील मंच के रूप में उभरना है जो साहित्य के प्रति उत्साही, नवप्रवर्तकों, रचनाकारों और ब्रांडों को एक साथ लाता है। अपनी स्थापना के बाद से, गेटवे लिटफेस्ट सही मायने में भारतीय भाषा के लेखकों की आवाज़ को बुलंद कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, साहित्य महोत्सव ने 80 से अधिक सत्रों में 8 ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता और 100 से अधिक साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता लेखकों सहित 400 से अधिक लेखकों के साथ सहयोग किया है। लिटफेस्ट संथाली, कोसली, कोंकणी आदि जैसी अज्ञात और कम ज्ञात भाषाओं को राष्ट्रीय स्तर पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आठवां गेटवे लिटफेस्ट 2025 लेखकों, कवियों और विचारकों के शानदार चयन के साथ वापस आएगा। गेटवे लिटफेस्ट 2025 अल्फाबेट्स सीरीज के एक हिस्से के रूप में, मुख्य कार्यक्रम से पहले, वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में भारतीय भाषाओं का प्रभास विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई थी। ब्रांड और मार्केटिंग लीडर कार्थी मार्शन और लेखिका और विचार नेता अपर्णा पीरामल राजे उस चर्चा के पैनलिस्ट थे और पत्रकार और कार्यकर्ता सौम्या रॉय ने सत्र का संचालन किया।

सार संक्षेप

धनखड़ आज जोधपुर की यात्रा पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शनिवार को राजस्थान में जोधपुर के राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के 64वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री धनखड़ 23 नवम्बर को जोधपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान उपराष्ट्रपति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के 64वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

न्यायमूर्ति कृष्णकुमार ने मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की शपथ ली

इंफाल। न्यायमूर्ति डी. कृष्णकुमार ने शुक्रवार को मणिपुर उच्च न्यायालय के आठवें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने यहां राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति कृष्णकुमार को मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल की सेवानिवृत्ति के बाद 20 नवंबर, 2024 को राष्ट्रपति ने मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश कृष्णकुमार को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया था। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, विधानसभा के अध्यक्ष सत्यब्रत सिंह, कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक, मणिपुर उच्च न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालयों के न्यायाधीश, शीर्ष नागरिक, पुलिस और सैन्य अधिकारी उपस्थित हुए।

कांग्रेस हर छह माह में करेगी पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा : जितेंद्र सिंह

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव और मध्य प्रदेश प्रभारी जितेंद्र भंवर सिंह ने कहा है कि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीति बनाई जा रही है और पदाधिकारियों के कार्यों की हर छह माह में समीक्षा की जाएगी और सक्रिय पदाधिकारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। राजधानी भोपाल में कांग्रेस की प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक चल रही है। बैठक के दूसरे दिन शुक्रवार को नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी के साथ बैठक हो रही है। बैठक से पहले प्रदेश प्रभारी सिंह ने तमाम पदाधिकारियों से मुलाकात की और उनका परिचय प्राप्त किया। बैठक में पहुंचे पदाधिकारियों को एक प्रोफार्मा भी दिया गया है, जिसमें वे अपने से संबंधित जानकारी भरकर देंगे और आगामी समय में पार्टी के लिए क्या करना चाहिए यह सुझाव भी देंगे।

मीरापुर उपचुनाव में विवाद पर राकेश टिकैत ने दी प्रतिक्रिया, कहा

सरकार की नीति पर काम करते हैं अधिकारी

मुजफ्फरनगर, 22 नवम्बर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट पर 20 नवंबर को हुए उपचुनाव में काफी हंगामा देखने को मिला था। इस घटना को लेकर भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के अध्यक्ष राकेश टिकैत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी को तो टारगेट किया जाता है। पुलिस अधिकारी, डीएम, एसपी सरकार की नीति पर काम करते हैं। पुलिस अधिकारियों को केवल निशाना बनाया जाता है लेकिन जो काम करना था वह काम कर दिया गया है। चुनाव आयुक्त ने नोटिस लिया है और एक अधिकारी बलि का बकरा बन गया। आगे उसे बहाल भी कर दिया जाएगा। यह सरकार की नीति का हिस्सा है।

ज्ञात हो कि मतदान वाले दिन मीरापुर के ककरौली गांव में समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम पार्टी के समर्थकों में झड़प हो गई थी। इसके बाद गुस्साए लोगों ने जाम लगा दिया था। ककरौली थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव शर्मा और पुलिस कर्मियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया तो गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर ही पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान वोट डालने जा रही महिलाओं और पुलिस के बीच तीखी बहस देखने को मिली थी। जब महिलाएं वोटर पर्ची लेकर मतदान करने के लिए निकली तो इसी दौरान पुलिस फोर्स के साथ ककरौली थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव शर्मा हाथ में पिस्टल लिए खड़े थे। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

मीरापुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान पुलिसकर्मियों पर हुए पथराव में थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने 28 नामजद और करीब 120 अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा समेत करीब 15 धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

महाराष्ट्र : परिणामों से पहले बारामती में लगे पोस्टर, अजित पवार को बताया 'भावी मुख्यमंत्री'

मुंबई, 22 नवम्बर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों ने बहुमत का दावा किया है। इस बीच बारामती में कुछ पोस्टर्स लगे हैं जिसमें लिखा है प्रदेश के अगले सीएम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष अजित पवार होंगे। पोस्टर ऐसे समय में लगाया गया है, जब राज्य में राजनीतिक हलचल तेज है और अजित पवार की मुख्यमंत्री पद की संभावनाओं को लेकर चर्चा हो रही है। इन पोस्टरों के जरिए यह संकेत दिया जा रहा है कि अजित पवार को पार्टी और समर्थकों की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है। अलग-अलग जगह लगे इन पोस्टर में लिखा गया है कि अजित पवार का लगातार आठवीं बार विधायक चुनकर आने के लिए अभिनंदन। बारामती एनसीपी का गढ़ रहा है। यहीं से अजित पवार जीत कर विधानसभा पहुंचे हैं। इसे नतीजों से पहले गठबंधन पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। पार्वती विधानसभा क्षेत्र और बारामती क्षेत्र में ये बैनर लगाए गए हैं। अजित पवार महाराष्ट्र में चार बार के उपमुख्यमंत्री हैं।

सीएम नीतीश कुमार ने 8,837 करोड़ रुपए की योजनाओं का दिया तोहफा

पटना, 22 नवम्बर **(एजेंसी)।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को ग्रामीण कार्य विभाग की 8,837.77 करोड़ रुपए लागत की 6,199 योजनाओं का रिमोट के माध्यम से कार्यारंभ एवं उद्घाटन कर प्रदेश की जनता को बड़ा तोहफा दिया। इसके तहत 6,509.93 करोड़ रुपए की 4,390 योजनाओं का कार्यारंभ तथा 2,327.84 करोड़ रुपए की 1,809 योजनाओं का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत खुशी की बात है कि ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा कई पथों एवं पुलों का उद्घाटन के साथ-साथ शिलान्यास किया गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और सुगम होगा।

उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि जिन योजनाओं का कार्यारंभ किया गया है, उन सभी पथों एवं पुलों का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से ससमय पूर्ण कर लिया जाएगा। वैसे सभी पथों एवं पुलों, जिनका उद्घाटन किया जा रहा है, उन सभी पथों का नियमित निरीक्षण करते हुए उनका मेंटेनेंस भी किया जाएगा, जिससे उसकी गुणवत्ता बनी रहे। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग के पदाधिकारियों को विभाग के अन्य सभी पथों एवं पुलों की सतत निगरानी करते हुए उनका नियमित मेंटेनेंस भी करने का निर्देश दिया।

उद्घाटन की गई योजनाओं के तहत मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना अंतर्गत 983 करोड़ रुपए की लागत से 763 पथों एवं 4 पुलों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम अंतर्गत 1,113 करोड़ रुपए की लागत से 972 पथों की मरम्मत कराई गई है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना अंतर्गत 92 करोड़ रुपए की लागत से 33 पथों का उन्नयन शामिल है। इसमें राज्य योजना अंतर्गत 139 करोड़ रुपए की लागत से 5 पथ भी शामिल हैं। जिन योजनाओं की शुरुआत हुई है, उसमें मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना अंतर्गत 1,824 करोड़ रुपए की लागत से 1,472 पथ एवं पांच पुलों का निर्माण किया जाना है। जबकि, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम अंतर्गत 2,350 करोड़ रुपए की लागत से 2.306 पथों की मरम्मत होगी।

यह हिंदुत्व की जीत है- मुंबई बीजेपी सचिव:प्रतीक करपे

मुंबई / अकबर खान

मुंबई, भाजपा सचिव प्रतीक करपे ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा यह जीत उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस की दूरदर्शिता और विकास दृष्टिकोण के कारण हासिल

कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के नेतृत्व में मिली सफलता हिंदुत्व की जीत है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुंबई भाजपा सचिव प्रतीक करपे ने कहा, हुई है। महाराष्ट्र के लोगों ने आज छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों का सम्मान करने वालों को वोट दिया। यह महाराष्ट्र में एक नए युग की शुरुआत है, हिंदुत्व की सुनामी है।

सायन कोलीवाड़ा के विधायक कैप्टन तमिल साल्वेन बन सकते हैं राज्य के युवा मंत्री

मुंबई / संवाददाता

मुंबई, भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र राज्य चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया है जो पिछले चुनावों से एक रिकॉर्ड है जो महाराष्ट्र के लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। अब, सभी को पता है कि महाराष्ट्र राज्य का नेतृत्व कौन करेगा और मुख्यमंत्री कौन बनेगा। अब, एक नई दिलचस्प खबर सुनने में आ रही है कि भाजपा की केंद्रीय टीम और भाजपा का राज्य बोर्ड 179 सायन कोलीवाड़ा के विधायक कैप्टन तमिल साल्वेन के बारे में सोच रहा है जो लंबे समय से भाजपा के साथ काम कर रहे हैं और उच्च बहुमत से चुनाव जीते हैं। उन्होंने लोगों को सही तरीके से प्रेरित किया है और हमेशा अपने निर्वाचन क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद लोगों के पीछे खड़े रहे हैं। लोगों के लिए उनके समर्पित कठिन और कल्याणकारी कार्यों के लिए उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का दिल जीतने में सक्षम थे। सभी लोग उनकी परोपकारी गतिविधियों से प्रेरित थे। हमें भाजपा के आंतरिक स्रोत से पता चला कि साइन कोलीवाड़ा के विधायक कैप्टन तमिल

साल्वेन नई सरकार के गठन के बाद युवा मामले और खेल मंत्री बन रहे हैं। कैप्टन तमिल साल्वेन ने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, मेरे निर्वाचन क्षेत्र से सभी जानते हैं, मैं लोगों का विधायक हूं, पार्टी जो भी कर्तव्य देगी, मुझे करना होगा। भाजपा की युवा शाखा और साइन कोलीवाड़ा के लोग मांग करते हैं, हमारी शुभकामनाएं हमेशा कैप्टन के साथ हैं, वह

न केवल साइन कोलीवाड़ा के लिए बल्कि पूरे महाराष्ट्र के लोगों के बीच एक मसीहा हैं, हमें विश्वास है कि वह 26 नवंबर 2024 को मंत्री जरूर बनेंगे।नेशनल यूथ अवार्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (NYAFI) के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. बी.के. महाराणा ने कहा कि सामाजिक कल्याण गतिविधियों के लिए NYAFI ने दिसंबर में आयोजित होने वाले हमारे आगामी पुरस्कार कार्यक्रम में भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के हाथों राष्ट्रीय गौरव सम्मान (राष्ट्रीय पुरस्कार) से सम्मानित करने के लिए कैप्टन तमिल साल्वेन के नाम की सिफारिश की है।

समस्या प्रतिदिन दो आत्महत्या के प्रयासों से आत्महत्या की वादी बन रहा कश्मीर

तीन वर्षों में आत्महत्या के प्रयास के 1,700 से अधिक मामले दर्ज

जम्मू, 22 नवम्बर (एजेंसी)। कश्मीर के मोर्चे से यह एक बुरी खबर कही जा रही है कि कश्मीर फिर से आत्महत्या की वादी बनता जा रहा है क्योंकि कश्मीर में प्रतिदिन औसतन दो लोगों द्वारा आत्महत्या के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि इनमें उन सुरक्षाकर्मियों के आंकड़े शामिल नहीं हैं जिन्हें कश्मीर को थामने की खातिर लाखों की संख्या में तैनात किया गया है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में जम्मू कश्मीर में आत्महत्या के प्रयास के 1,700 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। यह इस क्षेत्र में प्रतिदिन औसतन दो आत्महत्या के प्रयास के मामलों के बराबर है।

आत्महत्या के प्रयासों की बढ़ती आवृत्ति, विशेष रूप से कश्मीरी युवाओं में, माता-पिता और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन गई है। इस वर्ष भी, आत्महत्या के मामलों की संख्या में कमी के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, जो निस्संदेह एक गंभीर मामला है जिस पर तत्काल ध्यान देने

की आवश्यकता है।

मनोवैज्ञानिक मेहराज उद दीन बताते हैं कि आत्महत्या के 70 परसेंट से अधिक प्रयास मानसिक अवसाद से पीड़ित व्यक्तियों द्वारा किए जाते हैं।

■ **प्रतिदिन औसतन दो लोगों द्वारा आत्महत्या के प्रयास किए जा रहे**
■ **कश्मीरी युवाओं में आत्महत्या के प्रयासों की बढ़ती आवृत्ति माता-पिता और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन गई**

उन्होंने बताया कि वास्तविक दर कम रिपोर्टिंग के कारण अधिक होने की संभावना है, क्योंकि सामाजिक कलंक अक्सर परिवारों को आगे आने से रोकता है। विशेषज्ञ आत्महत्या के प्रयासों के लिए माता-पिता और साथियों के दबाव को महत्वपूर्ण योगदानकर्ता मानते हैं, विशेष रूप से युवाओं में।

मेहराज उद दीन ने कहा कि माता-पिता की अपेक्षाएं, शैक्षणिक और करियर प्रतिस्पर्धा, और नैतिक और धार्मिक शिक्षा की कमी इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे मुख्य कारणों में से हैं।

आंकड़े युवाओं में आत्महत्या के प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाते हैं। एक वरिष्ठ डाक्टर का कहना था कि विषाक्त पदार्थों की पर्याप्त मात्रा का सेवन करने वाले रोगियों के लिए समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्हें कार्डियोरेस्पिरेटरी फेलियर का खतरा होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अन्य योगदान देने वाले कारकों में शैक्षणिक विफलताएं, असफल रिश्ते, घरेलू दुर्व्यवहार, पारिवारिक विवाद और आनलाइन उत्पीड़न (साइबर-बदमाशी) शामिल हैं। ऐसे मुद्दों के नकारात्मक प्रभावों में भावनात्मक संकट, क्रोध, हताशा, अवसाद और आत्म-सम्मान की हानि शामिल है। एक अन्य डाक्टर का कहना था कि गंभीर मामलों में, पीड़ित खुद को नुकसान पहुँचा सकते हैं या परिवार और सामाजिक संपर्कों से दूर हो सकते हैं।

जियो ने जोड़े सबसे अधिक 'एक्टिव सब्सक्राइबर'- ट्राई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, रिलायंस जियो 'एक्टिव सब्सक्राइबर' जोड़ने के मामले में सबसे आगे है। सितंबर महीने में जियो ने करीब 17 लाख 'एक्टिव सब्सक्राइबर' जोड़े। समान अवधि में भारती एयरटेल ने 13 लाख तो वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने 31 लाख के करीब ग्राहक गंवा दिए। 'एक्टिव सब्सक्राइबर' जोड़ने के मामले में जियो लगातार दूसरे महीने नंबर वन बना हुआ है। एयरटेल और वोडाआइडिया के 'एक्टिव सब्सक्राइबर' नंबर गिरने के कारण पूरे उद्योग में सक्रिय ग्राहकों की संख्या में गिरावट देखी गई, सितंबर माह में यह 15 लाख घटकर 106 करोड़ के करीब आ गई। बताते चलें कि टेलीकॉम कंपनियों का परफॉर्मेंस उनके एक्टिव ग्राहकों की संख्या पर निर्भर करता है। क्योंकि एक्टिव ग्राहक ही कंपनियों के लिए राजस्व हासिल करने का सबसे महत्वपूर्ण जरिया है। हालांकि सितंबर माह में पूरी इंडस्ट्री को ही झटका लगा। जियो, एयरटेल और वीआई से करीब 1 करोड़ ग्राहक छिटक गए। मतलब 1 करोड़ के आसपास सिम बंद हो गए। ऐसा माना जा रहा है कि टैरिफ बढ़ने के बाद, उन ग्राहकों ने अपने नंबर बंद कर दिए, जिन्हें दो सिम की जरूरत नहीं थी। बीएसएनएल की बाजार हिस्सेदारी में भी मामूली वृद्धि देखी गई।

पीवीआर आईनॉक्स की पेशकश मूवी जॉकी

नयी दिल्ली। प्रीमियम सिनेमा प्रदर्शक पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड ने एआई-पावर्ड व्हाट्सएप चैटबॉट मूवी जॉकी (एमजे) को शुरु करने की घोषणा की है, जिसे देश भर के सिनेमा प्रेमियों के लिए मूवी खोज और बुकिंग के अनुभव को शानदार बनाने के लिए बनाया गया है। व्हाट्सएप की जानकारी और सुविधा का लाभ उठाकर, एमजे सुलभता को प्राथमिकता देता है, इससे यूजर्स व्यक्तिगत मूवी रिकमंडेशन प्राप्त कर सकते हैं, आसानी से बुकिंग कर सकते हैं और मूवी डिटेल्स प्राप्त कर सकते हैं। एमजे व्हाट्सएप पर हिंदी, अंग्रेजी, कन्नड़, तमिल और तेलुगु में 24/7 उपलब्ध है और मूवीज़ को ढूंढना और बुक करने को आसान बनाने के साथ पूरी प्रक्रिया को सुगम बनाता है और इसे सिनेमा प्रेमियों के लिए अधिक आकर्षक और सुविधाजनक बनाता है। भारत में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाने वाला मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म व्हाट्सएप इस ए आई संचालित असिस्टेंट तक आसान एक्सेस सुनिश्चित करता है, उस माध्यम से संवाद का तरीका बदल देता है, जिसे यूजर्स जानते हैं और जिस पर भरोसा करते हैं। एमजे की मज़बूत एआई क्षमताएँ यूजर्स को उनकी मूवी प्राथमिकताओं के आधार पर एक व्यक्तिगत जर्नी की पेशकश करता है। चैटबॉट की उन्नत खोज फीचर्स यूजर्स की पसंद के अनुसार शैली, भाषा, लोकेशन, सिनेमा फार्मेट और शोटाइम सहित मूवी सुझाव देती हैं। यह यूजर्स को अलग-अलग सिनेमा फार्मेट से चयन करने की सुविधा भी देता है। सहज, स्वाभाविक संवाद द्वारा एमजे यूजर्स को आसानी से विकल्पों को नेविगेट करने और सिनेमा वरीयताओं के आधार पर फ़िल्टर करने में मदद करके बुकिंग को सुगम बनाता है और साथ ही 2डी और 3डी विकल्पों को अलग-अलग करता है ताकि यूजर्स अपने आदर्श फार्मेट को चुन सकें।

एरिक्सन ने किया प्लॉगिंग का आयोजन

गुरुग्राम। पर्यावरण को सुरक्षित रखने की अपनी जिम्मेदारी के तहत, एरिक्सन इंडिया ने गुरुग्राम में अपने कर्मचारियों और प्लोग्गा मूवमेंट के संस्थापक एरिक अहलस्ट्रॉम के साथ मिलकर प्लॉगिंग का आयोजन किया प्लॉगिंग में दौड़ने के साथ-साथ कचरा इकट्ठा किया जाता है। यह पहल एरिक्सन की पर्यावरण पर प्रभाव कम करने और कर्मचारियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की कोशिश को दर्शाती है। इस मौके पर श्री अहलस्ट्रॉम ने कहा, ÷आज मुझे गुरुग्राम में

एरिक्सन के साथ प्लॉगिंग करने का शानदार मौका मिला। एरिक्सन एक स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य बनाने में अपनी भूमिका निभा रहा है। मुझे खुशी है कि प्लोग्गा प्रदूषण को खत्म करने में योगदान दे रहा है। यह पहल दिखाती है कि काम शब्दों से ज्यादा असरदार होते हैं। एरिक्सन के साथ मिलकर, प्लॉगिंग एक स्वच्छ और हरी-भरी दुनिया बनाने में मदद कर रही है। यह एक बेहतर कल की ओर बड़ा कदम है।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने साइबरजागरुकनागरिक थीम के साथ अक्टूबर में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह मनाया, जिसमें ऑनलाइन जानकारी की सुरक्षा और साइबर सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने की साझा

जिम्मेदारी पर जोर दिया गया। अक्टूबर को डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के महत्व के बारे में व्यक्तियों और संगठनों को शिक्षित करने के लिए समर्पित अभियान के माध्यम से अक्टूबर 2024 में नियामकों और वित्तीय संस्थानों के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था।इस पहल का उद्देश्य डिजिटल सतर्कता की संस्कृति को बढ़ावा देना और कर्मचारियों, ग्राहकों और जनता के बीच साइबर स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ाना था और यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता था कि प्रत्येक डिजिटल उपयोगकर्ता अपने डेटा को सुरक्षित रखने और उल्लंघनों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा विभाग ने व्यक्तियों को शिक्षित करने, उन्हें जोड़ने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए।

कोयला मंत्रालय ने 3 कोयला ब्लॉकों के सफल बोलीदाताओं के साथ किए समझौते पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली कोयला मंत्रालय ने वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के सफल बोलीदाताओं के साथ 3 कोयला ब्लॉकों के लिए समझौते किए हैं। यह तीनों कोयला ब्लॉक पूरी तरह से खोजे गए कोयला ब्लॉक हैं। सफल बोलीदाताओं में क्रमशः हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड और झार मिनरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। इसके साथ ही नीलामी के 10वें दौर के दूसरे दिन दो कोयला ब्लॉकों की नीलामी की गई है। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त ने अतिरिक्त सचिव एवं नामित प्राधिकरण रूपिंदर बरार के साथ मिलकर इन तीनों कोयला ब्लॉकों के सफल बोलीदाताओं को समझौते दस्तावेज सौंपे। मंत्रालय के मुताबिक जिन कोल ब्लॉकों के लिए यह कोल

ब्लॉक उत्पादन और विकास समझौते निष्पादित किए गए हैं, वे मीनाक्षी और रामपिया तथा रामपिया के डिप साइड कोयला ब्लॉक हैं। इस मौके पर दोनों अधिकारियों ने कोयाला ब्लॉकों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय की ओर से पूर्ण समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर दत्त ने कोयला खनन परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जिनसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है। वाणिज्यिक कोयला ब्लॉकों की नीलामी के तहत इन 3 कोयला ब्लॉकों से कुल 2,709.95 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व सृजन होने का अनुमान है, जबकि जब ये कोयला ब्लॉक पूरी तरह से चालू हो जाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि इन तीन कोयला ब्लॉक से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 36,504 लोगों के लिए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इन कोयला ब्लॉकों को चालू करने के लिए कुल 4,050 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। आर्थिक मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट लगातार जारी है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब यूएस डॉलर रह गया है। रिजर्व बैंक बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब रहा है। इससे पिछले हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 15.55 अरब डॉलर घटकर 569.83 अरब डॉलर रह गई। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य भी 2.07 अरब डॉलर घटकर 65.75 अरब डॉलर रहा है। इसी

तरह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 9.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.06 अरब यूएस डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 5.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.25 अरब डॉलर पर आ गया है।

सरकार ने टमाटर की खुदरा कीमतों पर नियंत्रण के लिए 28 इनोवेटर्स को फंडिंग किया

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने टमाटर की खुदरा कीमतों में तीव्र उतार-चढ़ाव से निपटने, आपूर्ति श्रृंखला और प्रसंस्करण स्तर में सुधार के लिए आयोजित 'हैकाथॉन' के तहत टमाटर से शराब बनाने सहित 28 नए विचारों का चयन और वित्तपोषण किया है। इस वित्तपोषण से इन स्टार्टअप को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि टमाटर मूल्य श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर नए विचारों को आमंत्रित करने के लिए पिछले साल जून में 'टमाटर ग्रैंड चैलेंज (टीजीसी) हैकाथॉन' शुरू किया गया था। इसके तहत टमाटर से शराब बनाने सहित 28 नवीन विचारों का चयन और वित्तपोषण किया गया है, अब यह इन स्टार्टअप्स को अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद करेगी।

निधि खरे ने बताया कि इस पहल का मकसद उपभोक्ताओं को किफायती कीमतों पर टमाटर की उपलब्धता सुनिश्चित करना और किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाना था। उन्होंने कहा कि टीजीसी को उपभोक्ता मामलों के विभाग ने शिक्षा मंत्रालय (नवाचार प्रकोष्ठ) के

सहयोग से तैयार किया था। खरे ने बताया कि हमें 1,376 विचार मिले और उनमें से 423 को पहले चरण में चुना गया और अंत में 28 विचारों को वित्तपोषित किया गया। उपभोक्ता सचिव ने कहा, टमाटर की कीमतों में बहुत उतार-चढ़ाव आता है। अत्यधिक बारिश, गर्मी और कीटों के हमले के कारण इसकी कीमतों में तीव्र वृद्धि होती है। खरे ने कहा कि साल में कम से कम 2-3 बार अचानक कीमतों में 100 फीसदी तक की वृद्धि होती है। साथ ही कभी-कभी कीमतों में भारी गिरावट भी आती है, जिससे किसानों की आय प्रभावित होती है। निधि खरे ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, कटाई से पहले और बाद में होने वाले नुकसान को कम करने और प्रसंस्करण स्तर को बढ़ाने की जरूरत है, ताकि कीमतों में स्थिरता लाई जा सके। गौरतलब है कि भारत में सालाना दो करोड़ टन टमाटर का उत्पादन होता है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 1961 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी समूह विवाद के बावजूद हफ्ते का अंतिम कारोबारी सत्र शेयर बाजार को रास आया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1,961.32 अंक यानी 2.54 फीसदी उछलकर 79,117.11 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 557.35 अंक यानी 2.39 फीसदी की तेजी के साथ 23,907.25 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में आई तेजी के कारण निवेशकों की संपत्ति 7.25 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 शेयरों में तेजी रही जबकि एक शेयर में गिरावट दर्ज हुई है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 49 शेयर में तेजी रही जबकि एक शेयर में गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी मीडिया को छोड़कर एनएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए हैं। आज कारोबार के दौरान आईटी और रियल्टी इंडेक्स सबसे ज्यादा चढ़ा। कारोबारियों के अनुसार घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत खरीदारी और अमेरिकी बाजारों में मजबूत रुख से भी दोनों प्रमुख सूचकांक को मदद मिली है। एक दिन पहले यह करीब 425 लाख करोड़ रुपये रहा था। उल?लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 422 अंक की गिरावट के

कारोबार के दौरान शेयर बाजार में खरीदारी से निवेशकों की संपत्ति आज 7.25 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बाजार में आई तेजी से बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 7.2 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 432.57 लाख करोड़ रुपये हो गया। साथ 77,155 के स्तर पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 168 अंक की गिरावट के साथ 23,349 के स्तर पर बंद हुआ था। न्यूयॉर्क में धोखाधड़ी-रिश्वत देने के आरोप लगाने के बाद अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 23.44 फीसदी की गिरावट के साथ निफ्टी का टॉप लूजर था।

बीएमडब्ल्यू इंडिया 1 जनवरी से अपने सभी मॉडलों की कीमत तीन फीसदी तक बढ़ाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू की भारतीय इकाई बीएमडब्ल्यू इंडिया ने अपने सभी मॉडलों की कीमत में तीन फीसदी तक इजाफा करने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि नई दरें एक जनवरी, 2025 से प्रभावी होंगी।

कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि उसके सभी मॉडलों की कीमतों में तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी होगी। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने कहा कि नई दरें 1 जनवरी, 2025 से लागू होंगी। हालांकि, कंपनी ने उन कारणों के बारे में विस्तारपूर्वक नहीं बताया है, जिनकी वजह से उसकी कार की कीमतों में बढ़ोतरी करने की जरूरत पड़ी है। बीएमडब्ल्यू इंडिया की स्थानीय तौर पर निर्मित कारों की रेंज में 2-सीरीज ग्रैन कूप, 3-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 5-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 7-सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, एक्स1, एक्स3, एक्स5, एक्स7 और एम340आई शामिल हैं। कंपनी पूर्ण निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आई4, आई5, आई7, आई7 एम70, आईएक्स1, बीएमडब्ल्यू आईएक्स, जेड4 एम40आई, एम2 कूप जैसे मॉडल भी बेचती है।उल्लेखनीय कि पिछले हफ्ते मर्सिडीज-बेंज ने इनपुट लागत में वृद्धि और उच्च परिचालन व्यय का हवाला देते हुए एक जनवरी, 2025 से भारत में अपने सभी मॉडलों की कीमतों में तीन फीसदी तक बढ़ोतरी करने की घोषणा की थी। भारत में मर्सिडीज-बेंज कारों की कीमतें जीएलसी के लिए दो लाख रुपये से लेकर शीर्ष मर्सिडीज-मेबैक एस 680 लग्जरी लिमोसिन के लिए 9 लाख रुपये तक बढ़ जाएंगी।

वित्त आयोग ने कर्नाटक ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 448.29 करोड़ का अनुदान जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर्नाटक में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग अनुदान की पहली किस्त के रूप में 448.29 करोड़ रुपये जारी किए हैं। ये धनराशि राज्य की सभी 5,949 पात्र ग्राम पंचायतों के लिए है। पंचायती राज मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्र सरकार, पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) के माध्यम से राज्यों में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 15वें वित्त आयोग अनुदान जारी करने की अनुशंसा करती है, जिसे वित्त मंत्रालय बाद में जारी करता है। मंत्रालय ने कहा कि आवंटित अनुदान की अनुशंसा की जाती है, जिसे वित?त वर्ष में 2 किस्तों में जारी किया जाता है। मंत्रालय ने कहा कि संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित 29

विषयों के तहत, वेतन और अन्य स्थापना लागतों को छोड़कर, ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) द्वारा स्थान-विशिष्ट जरूरतों के लिए अप्रयुक्त अनुदान का उपयोग किया जाएगा। इन प्रयुक्त अनुदान का उपयोग (ए) स्वच्छता और ओडीएफ स्थिति के रखरखाव की बुनियादी सेवाओं के लिए किया जा सकता है, इसमें घरेलू अपशिष्ट का प्रबंधन और उपचार और विशेष रूप से मानव मल और मल प्रबंधन और (बी) पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल संचयन तथा जल पुनर्चक्रण शामिल होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई)/ ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को 15वें वित्त आयोग के अनुदान प्रदान करके ग्रामीण स्वशासन को मजबूत करने के लिए कदम उठा रही है। यह निधि स्थानीय शासन निकायों को अधिक प्रभावी, जिम्मेदार और स्वतंत्र बनाने में मदद करती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सतत और स्थायी प्रगति होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए यह पहल सभी को लाभ पहुंचाने वाले विकास को बढ़ावा देती है और लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

कश्मीर पवेलियन में आगंतुकों को लुभा रहे हैं केसर, पश्मीना शॉल, कानी शॉल, सोज़नी कढ़ाई जैसे उत्पाद

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में विश्व प्रसिद्ध केसर, पश्मीना शॉल, कानी शॉल, सोज़नी कढ़ाई, बशोली पेंटिंग और पेपर माचे जैसे उत्पादों के सहारे जम्मू-कश्मीर पवेलिन आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। प्रदेश सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में जम्मू-कश्मीर व्यापार संवर्धन संगठन (जेकेटीपीओ) की ने 43वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) 2024 में स्थापित पवेलियन में स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों की जीवंत भावना को प्रदर्शित किया गया है। यहां महिला उद्यमियों, विशेष रूप से विकलांग उद्यमियों और सहकारी समितियों सहित 115 से अधिक प्रदर्शकों को अपने उत्पादों को दर्शकों के सामने पेश किया है। पवेलियन में जम्मू-कश्मीर के भौगोलिक संकेत (जीआई)-टैग वाले उत्पादों जैसे विश्व प्रसिद्ध केसर, पश्मीना शॉल, कानी शॉल, सोज़नी कढ़ाई, बशोली पेंटिंग और पेपर माचे जैसे उत्पाद आगंतुकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।

भारत मंडपम में 23 नवंबर को जम्मू- कश्मीर दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर एम्फीथिएटर 1 में भव्य समारोह आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में आकर्षक सांस्कृतिक प्रदर्शन और गणमान्य व्यक्तियों के साथ जुड़ाव होगा, जो राष्ट्रीय मंच पर प्रदेश की सांस्कृतिक और व्यापारिक उपस्थिति को और बढ़ाएगा। गौरतलब है कि पिछले 2-3 वर्षों में, जेकेटीपीओ ने आईआईटीएफ सहित देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों में कारीगरों, किसानों, उद्यमियों की भागीदारी को काफी बढ़ाया है। स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाने के अपने मिशन के अनुरूप, जेकेपीटीओ ने प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लगातार खरीदार-विक्रेता बैठकें, प्रदर्शनियाँ और व्यापार मेले आयोजित किए हैं।

भारत को जिम्मेदार पूंजीवादी देश के रूप में ब्रांड करने की जरूरत : सीतारमण

बेंगलुरु । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूएस एफडीए की तरह वैश्विक मानकों वाला भारत एफडीए बनाए जाने की वकालत करते हुए आज कहा कि पूंजीवाद की अपनी सीमाएं हैं और भारत को एक 'जिम्मेदार पूंजीवादी' देश के रूप में ब्रांड करना चाहिए।श्रीमती सीतारमण ने यहां 8वें इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव में कहा हमें समझना चाहिए कि पूंजीवाद की अपनी सीमाएं हैं और हमें भारत को एक 'जिम्मेदार पूंजीवादी' देश के रूप में ब्रांड करना चाहिए।÷ उन्होंने कहा ÷ हमने सर्कुलर इकोनॉमी और री-यूज के सिद्धांत का पालन नहीं किया, क्योंकि हम एक गरीब राष्ट्र थे। हमने इसे अपनी जिम्मेदारी के रूप में सोचा कि हम अपनी जरूरत के अनुसार इसका इस्तेमाल करें न कि अपने लालच के अनुसार। वित्त मंत्री ने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में भारत की ताकत प्राचीन काल से ही बरकरार है। एक शीर्ष वैज्ञानिक, इरविन श्रोडिंगर ने कहा है कि 'मेरे अधिकांश विचार और सिद्धांत वेदांत से काफी प्रभावित थे'। बाहर के लोग भारत के उस ब्रांड को पहचानने के लिए तैयार हैं, जिसने विज्ञान में अपना दबदबा बनाया। हमें इसे जारी रखने की जरूरत है और 'ब्रांड भारत' को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता के लिए बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्थिक भलाई धर्म द्वारा निर्देशित होनी चाहिए! यह धर्म के सिद्धांतों के भीतर अर्थ होना चाहिए।

एफसीआई महाराष्ट्र में चावल की करेगा बिक्री, 27 नवंबर को होगी नीलामी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने महाराष्ट्र में खुले बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत चावल की बिक्री करने की घोषणा की है। इसके लिए 27 नवंबर, 2024 को नीलामी होगी। खरीदार एफसीआई के ई-नीलामी सेवा प्रदाता, एम-जंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के साथ पैनल में शामिल होकर इसमें हिस्सा ले सकते हैं।

उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि एफसीआई महाराष?ट्र खुले बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत चावल की बिक्री करेगा। इसके लिए 27 नवंबर, 2024 को नीलामी होगी। 27 नवंबर को होने वाली नीलामी के लिए एफसीआई गोवा राज्य से 500 मीट्रिक टन चावल की पेशकश करेगा। बोली लगाने के लिए न्यूनतम मात्रा एक मीट्रिक टन और प्रति बोलीदाता अधिकतम मात्रा 2000 मीट्रिक टन है। मंत्रालय के

मुताबिक चावल खरीदने में रुचि रखने वाले व्यापारी, थोक खरीदार और चावल उत्पादक आधिकारिक वेबसाइट https://www.value-junction.in/fci/ पर अपना पंजीकरण कर सकते हैं, जिसकी पैनल प्रक्रिया में 72 घंटे तक का समय लग सकता है। सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने बताया कि ओएमएसएस (डी) योजना से चावल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और आम आदमी को राहत देने में मदद मिलेगी।

एयर इंडिया बेंगलुरु में 2026 तक चालू करेगी विमान रखरखाव प्रशिक्षण संस्थान

एजेंसी

नयी दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने रखरखाव इंजीनियरों का एक समूह विकसित करने और अपने बेड़े के विस्तार में सहायता करने के लिये बेंगलुरु में एक विमान रखरखाव प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की घोषणा की जो 2026 तक चालू हो जायेगा। एयर इंडिया की एक विज्ञप्ति के अनुसार बेंगलुरु एयरपोर्ट सिटी में 86,000 वर्ग फुट में बनाया जा रहे इस परिसर के 2026 के मध्य तक चालू होने की उम्मीद है। यह संस्थान भारतीय विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा प्रमाणित एक एकीकृत विमान रखरखाव इंजीनियरिंग (एएमई) कार्यक्रम प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम में दो साल का इन-क्लासरूम अकादमिक कोर्सवर्क शामिल होगा, जिसके बाद एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) सुविधा में दो साल का व्यावहारिक ऑन-जॉब प्रशिक्षण होगा।

एयरलाइन ने कहा कि प्रस्तावित प्रशिक्षण संस्थान उसकी की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करेगा, क्योंकि वह इस समय नये परिवर्तनों दिशा में आगे बढ़ रही है।

एयर इंडिया ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, एयर इंडिया ने बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट

लिमिटेड (बीएआईएल) की सहायक कंपनी बेंगलुरु एयरपोर्ट सिटी लिमिटेड (बीएसीएल) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं, जिसके तहत एएमई कार्यक्रम के लिये एक बिल्ड-टू-सूट सुविधा विकसित की जायेगी, जिसमें आधुनिक कक्षायें, व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालायें और योग्य प्रशिक्षकों की एक टीम होगी।

एयर इंडिया के एविएशन अकादमी के निदेशक सुनील भास्करन ने कहा कि प्रशिक्षण संस्थान शुरू से ही एयर इंडिया के मानकों के अनुसार प्रशिक्षित कुशल इंजीनियरों के बैच तैयार करेगी। उन्होंने कहा, यह सुविधा और कार्यक्रम, केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की निकटता के साथ, हमारे एएमई कैडेटों को उनके प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में व्यावहारिक, वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनायेगा, जो एयर इंडिया के चल रहे बेड़े के विस्तार की जरूरतों के अनुरूप उद्योग के लिए तैयार पेशेवरों के रूप में उनके भविष्य का समर्थन करेगा। सितंबर 2024 में, एयर इंडिया समूह ने बेंगलुरु में एक मेगा एमआरओ सुविधा के निर्माण की शुरुआत की घोषणा की।

चैंपियंस ट्रॉफ़ी के आयोजन के लिए आईसीसी ने बुलाई आपात बैठक

दुबई, एजेंसी। आईसीसी ने 26 नवम्बर को अपनी बोर्ड की आपात बैठक बुलाई है, जिसमें 2025 चैंपियंस ट्रॉफ़ी पर चर्चा की जाएगी। ईएसपीएन क्रिकइंफो को यह जानकारी मिली है कि बैठक का एकमात्र एजेंडा यह है कि क्या टूर्नामेंट के लिए हाइब्रिड मॉडल अपनाया जाए, जिसमें पाकिस्तान और किसी अन्य देश में इसे आयोजित किया जाए।

टूर्नामेंट की संभावित शुरुआत से 100 दिन से भी कम समय बचा है। मेज़बान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसे 19 फ़रवरी से 9 मार्च तक आयोजित करने के लिए निर्धारित किया है। हालांकि आईसीसी ने अभी तक शेड्यूल जारी नहीं किया है। लेकिन इस पर अभी इससे भी ज़्यादा बड़ा रोड़ा अटका हुआ है। बीसीसीआई ने आईसीसी को सूचित किया है कि भारतीय सरकार ने रोहित शर्मा की टीम को पाकिस्तान यात्रा करने की अनुमति नहीं दी है। पाकिस्तान को नवंबर 2021 में इस आठ-टीम के वनडे टूर्नामेंट की मेज़बानी के अधिकार दिए गए थे और वह तीन वेन्यूज़ - लाहौर, कराची और रावलपिंडी में पूरे टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए अडिग है।

पाकिस्तान में इस सप्ताह मीडिया से बात करते हुए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी ने कहा था कि उन्हें चैंपियंस ट्रॉफ़ी पाकिस्तान में आयोजित होने के बारे में सकारात्मक अपेक्षाएं हैं। नक़वी पाकिस्तान सरकार के गृह मंत्रालय के प्रमुख भी हैं, उन्होंने कहा कि वह बीसीसीआई से इस गतिरोध को तोड़ने के लिए संवाद करने के लिए तैयार हैं। पीसीबी आईसीसी से इस बात का जवाब पाने का इंतज़ार कर रहा है कि भारत को पाकिस्तान यात्रा करने की अनुमति क्यों नहीं दी जा सकती।

यह लगातार दूसरा वर्ष है जब पाकिस्तान को भारत की वजह से टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित करने के प्रश्न से जूझना पड़ा है। पिछले वर्ष एशिया कप के लिए भी भारत ने पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था, जिसके चलते टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर पाकिस्तान और श्रीलंका में आयोजित करना पड़ा था। इसके ठीक बाद पाकिस्तान को वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत की यात्रा करनी पड़ी थी, पीसीबी ने हाल ही में कहा था कि उसने यह फ़ैसला इसलिए किया था ताकि इसके चलते उसे चैंपियंस ट्रॉफ़ी केवल पाकिस्तान में ही आयोजित किए जाने का ठोस आधार मिलेगा।

सुनील गावस्कर ने फर्जी लेख पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने एक क्रिकेट वेबसाइट पर उनके नाम से लेख लिखे जाने का पुरजोर खंडन किया है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। वेबसाइट क्रिकेट सेप्शन ने शुक्रवार शाम को

नेतृत्व में एक नया युग- बुमराह की कप्तानी और कोहली के नेतृत्व ने टीम इंडिया को पुनर्जीवित किया शीर्षक से एक कॉलम प्रकाशित किया, जिसमें झूठा दावा किया गया कि यह पूर्व कप्तान द्वारा लिखा गया था।

गावस्कर ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर इस मुद्दे को संबोधित किया, एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लेख से कोई संबंध नहीं है और इसे तुरंत हटाने की मांग की। क्रिकेट के दिग्गज ने वेबसाइट से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने को भी कहा, चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो में गावस्कर ने कहा-हाय, मैं सुनील गावस्कर हूं, और मैं कहना चाहता हूं कि क्रिकेट सेप्शन नामक एक वेबसाइट है, जिसने मेरे नाम से एक लेख छापा है।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्टः

पर्थ में बरसे जसप्रीत बूमराह

● दूसरे दिन की पहली ही गेंद पर की कपिल देव की बराबरी

पर्थ, एजेंसी। भारतीय कप्तान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पर्थ टेस्ट में कमाल करके दिखाया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाया और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। बुमराह ने पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव के खास रिकॉर्ड की बराबरी की है जो यह साबित करता है कि यह गेंदबाज भारतीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल है। जसप्रीत बुमराह ने शनिवार को अपनी पहले ही गेंद पर विकेट हासिल किया। उन्होंने विकेटकीपर एलेक्स कैरी को पवेलियन का रास्ता दिखाया जो कि उनके इस मैच में पांचवें शिकार बने। यह बुमराह के टेस्ट करियर का 11वां फाइफर (एक मैच में पांच या उससे ज्यादा विकेट) है। उन्होंने भारत के तेज गेंदबाज जहीर खान और इशांत शर्मा की बराबरी की है। बुमराह ने 41 मैचों में यह काम किया है जबकि जहीर खान ने 9 और इशांत शर्मा ने 105 पारियों में 11 फाइफर लिए हैं।

वहीं जसप्रीत बुमराह अब सेना देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में भारत की ओर से सबसे ज्यादा बार पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होने सातवीं बार यह कमाल किया है। उन्होंने यहां भारत के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान और तेज गेंदबाज कपिल देव की बराबरी की है। कपिल देव ने भी सेना देशों में सात बार पांच विकेट हॉल लिया है।

एशिया में सेना देशों में सबसे ज्यादा फाइफर लेने के मामले में वह चौथे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में सबसे ऊपर है पाकिस्तान के वसीम अकरम जिन्होंने 11 बार या कमाल किया, 10 बार श्रीलंका के मुथैया मुरलीथरन और 8 बार इमरान खान ने यह कारनामा किया है।

जसप्रीत बुमराह ने इस साल टेस्ट मैचों में 46 विकेट ले लिए हैं। वह 2024 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। बुमराह ने भारतीय स्पिनर अश्विन की बराबरी की है। अश्विन भी 10 ओवर में 46 विकेट ले चुके हैं।

पर्थ टेस्ट में टीम इंडिया का दबदबा

● पर्थ टेस्ट में भारत ऑस्ट्रेलिया से 218 आगे स्टंप्स तक स्कोर 172/0 ● ओपनर्स नाबाद लौटे ● जायसवाल शतक के करीब

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया पर 218 रन की बढ़त बना ली है।

भारतीय टीम ने शनिवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में बिना नुकसान के 172 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल 90 और केएल राहुल 62 रन पर नाबाद लौटे। दोनों 346 गेंद में 172 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप कर चुके हैं। पर्थ में आज ऑस्ट्रेलिया ने सुबह 67/7 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। टीम ने 37 रन बनाने में आखिरी 3 विकेट गंवा दिए थे। इस तरह भारत को पहली पारी के बाद 46 रन की बढ़त मिली थी।

विकेटकीपर एलेक्स कैरी अपने पहले दिन के स्कोर में 2 रन ही जोड़ सके और कुल 21 रन बनाए, जबकि नाथन लायन ने 5 रन का योगदान दिया। मिचेल स्टार्क ने सबसे ज्यादा 26 रन बनाए। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट झटके। डेब्यू कर रहे हर्षित राणा ने 3 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज को 2 विकेट मिले। मुकाबले के पहले दिन शुक्रवार को भारतीय टीम 150 रन पर ऑलआउट हो गई थी। टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी थी।

अबू धाबी टी-10

जॉस बटलर ने आईपीएल 2025 के ऑक्शन से पहले 46 गेंदों में ठोके 122 रन, 12 छक्के उड़ाए!

नईदिल्ली, एजेंसी। जॉस बटलर तो रुकने का नाम नहीं ले रहे. हर मैच में बल्ले से धमाका कर रहे हैं. आईपीएल 2025 के ऑक्शन से ठीक पहले इंग्लैंड के इस स्टार ओपनर के लिए ये खबर अच्छी है. बटलर का बल्ला इन दिनों अबू धाबी टी-10 में रन उगल रहा है. वो इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. अबू धाबी टी-10 में उनका फॉर्म बाकी बल्लेबाजों से काफी बेहतर दिख रहा है. यही वजह है कि उनके धमाकेदार परफॉर्मेन्स में कंसिस्टेंसी देखने को मिल रही है.

➢ 46 गेंदों में 122 रन और 12 छक्के!

अबू धाबी टी-10 की टीम डेक्कन ग्लैडिएटर्स की ओर से खेलते हुए जॉस बटलर ने पहले 24 गेंदों में नाबाद 62 रन ठोके फिर सिर्फ 22 गेंदों में 60 रन जड़ दिए. और इस तरह बटलर ने 2 मैचों में 46 गेंदों का सामना करते हुए 265 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 122 रन ठोके, जिसमें 12 छक्के शामिल रहे. उन्होंने अबू धाबी ञ10 में अब तक खेले दोनों मैचों में 6-6 छक्के लगाए हैं.

➢ बटलर के ब्लास्ट का हुआ क्या असर?

जॉस बटलर के बल्ले से हुए इन धमाकों का असर कितना हुआ अब जरा वो भी जान लीजिए. उनके पहले धमाके से चेन्नई ब्रेव्स टीम की हार हुई. वहीं 22 गेंदों पर 60 रन वाली पारी से अजमान बोल्ट्स टीम को हार मिली है. मतलब

बटलर ने अपने दमखम पर अबू धाबी टी-10 में डेक्कन ग्लैडिएटर्स का परचम बुलंद किए रखा है. डेक्कन ग्लैंडिएटर्स ने अब तक लीग में 2 मैच खेले हैं और दोनों जीते हैं. इन दोनों ही मैचों में बटलर का अर्घशतक देखने को मिला है.

➢ आईपीएल ऑक्शन में 2 करोड़ है बटलर की बेस प्राइस

अबू धाबी टी-10 में बटलर रनों के सम्राट हैं. छक्के जमाने के मामले में नंबर 1 हैं. ऐसे में आईपीएल ऑक्शन 2025 में उन पर पैसों की बारिश तय दिख रही है. जॉस बटलर ने आईपीएल ऑक्शन के लिए अपनी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये रखी है. उनके नाम की बोली सेट 1 में ही लगाई जाएगी.

सैय्यद मुश्ताक अलीः आईपीएल ऑक्शन से पहले गरजा श्रेयस अय्यर का बल्ला, ठोका तेजतर्रार शतक

नईदिल्ली, एजेंसी। सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी के तहत गोवा के खिलाफ खेलते हुए मुंबई के बलेबाज श्रेयस अय्यर ने महज 57 गेंदों पर 130 रन बनाकर स्कोर 250 तक पहुंचा दिया। श्रेयस का यह शतक तब सामने आया जब आईपीएल ऑक्शन को एक ही दिन बचा है। केकेआर अपनी पिछली टीम केकेआर को दोड़ चुके हैं, जिसने 2024 का आईपीएल खिताब जीता था। श्रेयस पर दिल्ली की नजरें हैं। ऐसे में उनका यह शतक उनकी कीमत में इजाफा जरूर कर सकता है। इससे पहले रणजी ट्रॉफी के दौरान भी उन्होंने 2 तेजतर्रार शतक लगाए थे।

बैडमिंटनः

चाइना मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंची सात्विक-चिराग की जोड़ी

शेनझेन, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे सात्विक और चिराग ने 47 मिनट में दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी पर 21-16 21-19 से जीत दर्ज की। भारत के सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शुक्रवार को डेनमार्क के किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कार्प रासमुसेन की दूसरी वरीय जोड़ी को हराकर चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

हालांकि पुरुष एकल में लक्ष्य सेन को तीसरी वरीयता के डेनमार्क के खिलाड़ी एंड्रियस एंटोसेन के खिलाफ 53 मिनट चले मैच में 18-21, 15-21 से शिकस्त मिली।

47 मिनट में जीता मुकाबला

पेरिस ओलंपिक के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे सात्विक और चिराग ने 47 मिनट में दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी पर 21-16 21-19 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी पिछले चरण के फाइनल में पहुंची थी।

तिलक वर्मा टी-20 में शतकों की 'हैट्रिक' लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने 23 नवंबर 2024 को इतिहास रचा। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकटे में लगातार तीन शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गये। तिलक वर्मा ने इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी दोनों मुकाबलों में शतक लगाये थे।

तिलक वर्मा टी20 इतिहास में 150 से ज्यादा का स्कोर करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी भी बने। उन्होंने श्रेयस अय्यर (147 रन) के पिछले सर्वश्रेष्ठ स्कोर को पीछे छोड़ दिया। तिलक वर्मा ने 67 गेंद पर 14 चौकों और 10 छक्के की मदद से 151 रन बनाए। हैदराबाद के कप्तान तिलक वर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले मैच में मेघालय के खिलाफ मात्र 51 गेंद में अपना शतक पूरा कियाी। यह 10 दिन में तीसरा मौका था जब उन्होंने यह टी20 क्रिकेट में 3 अंकों का आंकड़ा पार किया।

तिलक वर्मा मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आये। उन्होंने 28 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। संयोगवश साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में ही तिलक वर्मा टीम इंडिया के अपने साथी संजू सैमसन के बाद लगातार टी20 शतक बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने थे।

जर्मन स्टाइल में कैसे इंटरनेशनल लेवल पर छाएगी भारतीय फुटबॉल?

नईदिल्ली, एजेंसीा। ग्लोबल समिट जर्मनी में हो रहा है. जर्मनी के स्टटगार्ट शहर के ऐतिहासिक फुटबॉल मैदान में भारत समेत दुनिया के कई नामी लोग पहुंचे हैं. चीफ मार्केटिंग और सेल्स ऑफिसर रूवेन कैस्पर ने कहा, 'हमने अनुज के साथ साझेदारी की है. हम भारत में फुटबॉल को बढ़ता देखना चाहते हैं.

हम भारत के बच्चों को फुटबॉल के जरिए आगे बढ़ाने चाहते हैं. हम पर विश्वास करने के लिए शुक्रिया.' रूवेन कैस्पर ने भारतीय फुटबॉल पर आगे बातचीत करते हुए कहा, 'हमें दो चीजें चाहिए. आपको विश्वास होना चाहिए कि हम फुटबॉल को आगे बढ़ाएंगे और आपके पास सही लोग होने चाहिए. हमने चीन में ऐसा किया है. हमने चीन में इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की कोशिश की. फुटबॉल में आपको एक साझेदारी की जरूरत है. अगर आपके पास सही लोग हैं. क्लब, बोर्ड और मीडिया में तो आप बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं.' रूवेन कैस्पर ने आगे कहा, 'फुटबॉल को आप नहीं रोक सकते. फुटबॉल दुनिया में नंबर 1 है. इस खेल को हर कोई खेल सकता है. इस खेल को समर्थन की जरूरत है. भारत में सही लोग, सही इन्वेस्टर्स इसे आगे ले जाएंगे. हम और जर्मनी के दूसरे क्लब पूरी कोशिश करेंगे कि भारत में ये खेल आगे जाए.'

➢ भारतीय फुटबॉल पर अनुज गुप्ता की बड़ी बात

ग्लोबल समिट में तैयार हुआ रोड मैप

इसके बाद सुदेवा एफसी के को-फाउंडर अनुज गुप्ता ने कहा, 'आप सभी का शुक्रिया. मैं हमेशा कहता हूं जब समय सही होता है तो चीजें होती हैं. भारत में फुटबॉल के लिए आपको टाइम देना होगा और इंटरनेशनल लेवल पर वो आगे बढ़ेगा. हमारे कई पोस्टर बॉय है. इंटरनेशनल लेवल पर भारतीय फुटबॉल का पोस्टर बॉय नहीं है. हम इस साझेदारी से ऐसे पोस्टर बॉय आगे लाना चाहते हैं जो लाखों-करोड़ों युवा खिलाड़ियों को फुटबॉल खेलने के लिए प्रेरित करेंगे.'

अनुज गुप्ता ने आगे कहा, 'भारतीय फुटबॉल में रोल मॉडल की कमी है. लेकिन भारत में बुंदसलीगा और लालीगा की बड़ी फैन फॉलोइंग है. अब भारत में काफी फुटबॉलर्स अच्छा कमा रहे हैं. कई फुटबॉलर्स हैं जो 50 हजार यूरो हर साल कमा रहे हैं. लेकिन कभी ये कि प्रेरणा की कमी है क्योंकि रोल मॉडल नहीं है. भारत के लोगों में सोच जगानी होगी कि वो अपने बच्चे को फिट करना चाहते हैं. उनकी ये सोच नहीं होनी चाहिए कि वो प्रोफेशनल प्लेयर बनेगा या नहीं. सोच होनी चाहिए कि बच्चा फिट हो और इसमें फुटबॉल नंबर 1 गेम है. पहले हम 4 से 12 साल के बच्चों पर ध्यान देंगे. हमें 5 से 15 साल तक के बच्चों को ज्यादा से ज्यादा मैच खिलाने होंगे ताकि उनके अंदर मैच टेंपरामेंट बढ़ सके. उन्हें ज्यादा अनुभव हो सके. इसके साथ-साथ और चीजें बढ़ जाएंगी. पैसा ग्रास रूट लेवल पर ही इनवेस्ट करने की जरूरत है.

एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर : सुष्मिता सेन

बालीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने एक बार फिर अपने प्रेरणादायक दृष्टिकोण से फैंस का दिल जीत लिया। इंस्टाग्राम पर सुष्मिता सेन ने एक प्रेरक संदेश साझा करते हुए लिखा, एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर है।

सुष्मिता ने अपने पोस्ट में बताया कि सपने देखना जितना महत्वपूर्ण है, उससे भी अधिक जरूरी है उन्हें हकीकत में बदलने का प्रयास करना। उन्होंने कहा, इरादा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है, लेकिन बिना गति के यह बेकार है। उनका संदेश इस बात पर जोर देता है कि छोटे-छोटे कदम भी बड़ी उपलब्धियों का आधार बन सकते हैं। हाल ही में सुष्मिता को दांत के दर्द के इलाज के लिए एक दंत चिकित्सक के पास जाते हुए देखा गया। जब क्लिनिक के बाहर पैपराजी ने उनसे बातचीत की, तो उनकी आवाज में लड़खड़ाहट स्पष्ट थी, जो दर्द और एनेस्थीसिया का परिणाम थी। इसके बावजूद उन्होंने अपनी खास गर्मजोशी और विनम्रता से पैपराजी का अभिवादन किया, जो उनके अद्वितीय व्यक्तित्व को दर्शाता है। सुष्मिता का यह संदेश उनके फैंस के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

अपने जीवन और करियर में साहसिक और प्रभावशाली कदम उठाने वाली सुष्मिता ने यह साबित किया है कि इरादों को अमल में लाने की ताकत से हर सपना पूरा किया जा सकता है। बता दें कि सुष्मिता सेन को अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकित वेब सीरीज आर्या में उनके दमदार अभिनय के लिए खूब सराहना मिली। इसके अलावा, उन्होंने बायोग्राफिकल ड्रामा ताली- बजाऊंगी नहीं, बजाऊंगी में ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत की भूमिका निभाई। यह सीरीज मुंबई की ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट के संघर्ष और उनके जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को दर्शाती है।

सशक्त महिला को मजबूत बनते देखना प्रेरणादायक: जान्हवी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सुपरस्टार नयनतारा की बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने खुलकर तारीफ की है। नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरीटेल को लेकर जान्हवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, एक सशक्त महिला को मजबूत बनते देखना सबसे प्रेरणादायक होता है। इस डॉक्यूमेंट्री का प्रीमियर 18 नवंबर को हुआ, जिसमें नयनतारा के करियर और निजी जीवन की चुनौतियों का विवरण दिया गया है। डॉक्यूमेंट्री में नयनतारा और उनके पति विग्नेश शिवन के बीच की प्रेम कहानी और फिल्म इंडस्ट्री में उनके संघर्ष को भी दर्शाया गया है। जान्हवी कपूर ने नेटफ्लिक्स की पोस्ट को साझा करते हुए नयनतारा को एक साहसी और प्रेरणादायक महिला के रूप में सम्मानित किया। हालांकि, जान्हवी की पोस्ट उस समय आई है, जब नयनतारा और अभिनेता धनुष के बीच एक विवाद चल रहा था। 16 नवंबर को, नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर एक खुला पत्र शेयर किया, जिसमें उन्होंने धनुष पर कई गंभीर आरोप लगाए। नयनतारा ने दावा किया कि धनुष उनके प्रयासों से ईर्ष्या करते हैं और उनके सार्वजनिक रूप से दोस्ताना दिखने के बावजूद उनका असल स्वभाव बिल्कुल अलग है। इस पत्र में नयनतारा ने धनुष को 10 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग करने पर भी कड़ी आलोचना की। यह विवाद उस समय उठ खड़ा हुआ था जब नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री के ट्रेलर में नानुम राउडी धान के एक 3 सेकंड के क्लिप का उपयोग किया गया था, जो कि धनुष द्वारा निर्मित फिल्म थी। नयनतारा ने इस पर गुस्से में लिखा कि धनुष का कानूनी नोटिस चौंकाने वाला था, क्योंकि उस क्लिप का उपयोग सोशल मीडिया पर पहले से ही सार्वजनिक किया गया था। इस विवाद के बीच, नयनतारा के समर्थन में कई अन्य साउथ फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्रियां, जैसे श्रुति हासन, ऐश्वर्या राजेश, अनुपमा परमेश्वरन, और पार्वती थिरुवोथु, खड़ी नजर आईं हैं। बता दें कि नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरीटेल हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई है, जिसे काफी सराहा जा रहा है।

अभिनेत्री नयनतारा हुई 40 साल की

अभिनेत्री नयनतारा 40 साल की हो गई है। एक्ट्रेस धूमधाम से अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। अभिनेत्री का डॉक्यूमेंट्री विवाद भी छाया हुआ है। अभिनेत्री की जिंदगी पर बेस्ड डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरी टेल' को लेकर लेडी सुपरस्टार नयनतारा और धनुष के बीच भी तकरार बढ़ती जा रही है। दरअसल, डॉक्यूमेंट्री में फिल्म नानम राउडी धान का एक गाना डालने पर प्रोड्यूसर और एक्टर धनुष ने नोटिस दिया है। नानम राउडी धान फिल्म के प्रोड्यूसर धनुष थे। जिस पर अभिनेत्री ने धनुष को जमकर खरी खोटी भी सुनाई और सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मेरे जीवन, मेरे प्यार और शादी के बारे में इस नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री में इंडस्ट्री के कई दोस्तों के क्लिप शामिल हैं, जिन्होंने अपना सहयोग दिया है, लेकिन दुख की बात है कि इसमें सबसे खास और महत्वपूर्ण फिल्म नानम राउडी धान शामिल नहीं है।उन्होंने बताया कि दो साल तक एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के लिए अभिनेता से जूझने और डॉक्यूमेंट्री रिलीज के लिए उनकी मंजूरी का इंतजार करने के बाद टीम ने आखिरकार फिर से एडिटिंग करने और मौजूदा वर्जन के लिए समझौता करने का फैसला लिया है।

बता दें कि इससे पहले भी लेडी सुपरस्टार कई बार सुर्खियों में आ चुकी हैं। बात साल 2014 की है, जब नयनतारा का एक एमएमएस लीक हो गया था। इस वीडियो में नयनतारा एक्टर सिंबू को किस करती नजर आ रही थीं। यह वीडियो जमकर वायरल हुआ था। इससे पहले नयनतारा ने एक इवेंट में ब्राउन कलर की स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहनकर ग्लैमरस अंदाज में शिरकत की थी। अभिनेत्री को बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ा था। हालांकि, फिल्म जगत के तमाम सितारों ने अभिनेत्री का समर्थन किया और ट्रोलर्स को जमकर खरी खोटी सुनाई थी।

दया, सम्मान और आपसी समर्थन रिश्ते के अहम पहलू: भूमि पेडनेकर

हाल ही में अपने प्रशंसकों के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने पिछले कुछ दिनों के अनुभव साझा किए। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी की झलक पेश की। अभिनेत्री भूमि ने अपनी पोस्ट में लिखा, पिछले कुछ दिन- सेट पर रहने से लेकर यह पता चलने तक कि मेरी सोल सिस्टर की शादी हो रही है। इसके साथ उन्होंने कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह अलग-अलग पोज़ देती नजर आ रही हैं। इससे पहले भूमि ने एक सेल्फी पोस्ट करते हुए लिखा था, सेल्फी गेम प्तसोमवार मोड।भूमि हाल ही में एक टॉक शो में नजर आईं। शो में उन्होंने रिश्तों और साथी में प्राथमिकताओं को लेकर खुलकर बात की। भूमि ने कहा कि उनके लिए दया, सम्मान और आपसी समर्थन किसी भी रिश्ते के सबसे अहम पहलू हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसा साथी चाहती हूं जो दयालु हो, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करे, और जो मेरे काम पर गर्व महसूस करे। भूमि इन दिनों अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी व्यस्त हैं। उनका हालिया प्रोजेक्ट, क्राइम थ्रिलर भक्त, में वह एक उग्र पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जो सच्चाई उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इसके अलावा, वह मुदस्सर अजीज की अपकमिंग कॉमेडी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह के साथ नजर आएंगी। भूमि की अन्य महत्वाकांक्षी परियोजना नेटफ्लिक्स की रोमांटिक सीरीज द रॉयल्स है। इस सीरीज में ईशान खट्टर, जीनत अमान, नोरा फतेही और मिलिंद सोमन जैसे स्टार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

एल्बम ग्लोरी के गाने में नजर आएगी नोरा फतेही

अभिनेत्री नोरा फतेही और रैपर यो यो हनी सिंह की जोडी अपने नए सहयोग से एक बार फिर सुर्खियां बटोर रही है। नोरो रैपर हनी सिंह के बहुप्रतीक्षित एल्बम ग्लोरी के गाने पायल में नजर आएगी। नोरा ने सोशल मीडिया पर म्यूजिक वीडियो का टीज़र शेयर करते हुए लिखा, यह अगली बड़ी चीज़ का समय है। पायल का आधिकारिक संगीत वीडियो, जिसे हनी सिंह ने गाया है और जिसमें मैं फीचर कर रही हूं, कल रिलीज़ होगा। वीडियो में नोरा के शानदार डांस मूव्स और हनी सिंह के यूनिक बीट्स ने फैंस को बेसब्री से इंतजार में डाल दिया है। हनी सिंह ने पर्दे के पीछे की शूटिंग का अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस वीडियो को -3 डिग्री सेल्सियस के कठोर तापमान में फिल्माया गया। उन्होंने नोरा के समर्पण और प्रोफेशनलिज़्म की तारीफ करते हुए उन्हें महान और बेहद मेहनती कलाकार कहा। 46 मिलियन से अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स वाली नोरा हर प्रोजेक्ट के साथ अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित कर रही हैं। उनकी हालिया तेलुगु फिल्म मटका को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। इसके अलावा, पेरिस फैशन वीक 2024 में नोरा ने लुई वुइटन के शो में अपनी उपस्थिति से तहलका मचा दिया। नोरा की अगली बड़ी अंतर्राष्ट्रीय परियोजना में जेसन डेरुलो के साथ एक और म्यूजिक वीडियो शामिल है, जो जल्द ही रिलीज़ होगा।

सोनी सब के शो 'तेनाली रामा' के लिये कृष्णा भारद्वाज ने सिर मुंडवाया

सोनी सब के शो तेनाली रामा के लिये अभिनेता कृष्ण भारद्वाज ने अपना सिर मुंडवाकर भूमिका के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। एक बार फिर तेनाली रामा के किरदार में कदम रखने के लिए तैयार कृष्ण भारद्वाज ने कहा, मैं एक ब्राह्मण परिवार से आता हूं, और हमें अपना सिर मुंडवाने की अनुमति नहीं है, जब तक कि घर में कोई त्रासदी न हो। मेरी मां ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, 'यह अशुभ है!', लेकिन उन्होंने यह भी समझा कि मैं अपने काम के प्रति समर्पित हूं और उन्होंने मेरे निर्णय में मेरा समर्थन किया।

कृष्णा भारद्वाज ने कहा, इस बार मुझे रात में सोने में कठिनाई हो रही है क्योंकि मेरे सिर और तकिये के बीच घर्षण हो रहा है और जब से मैंने अपना सिर मुंडवाया है, तब से मुझे खुजली और अजीब लग रहा है। साथ ही मेरा लुक पूरी तरह से बदल गया है। आपका रूप आपके व्यक्तित्व का एक बड़ा हिस्सा है, खासकर एक अभिनेता के लिए। जब पहला सीज़न समाप्त हुआ, तो मैंने अपने बाल वापस उगाने की कोशिश की, लेकिन वे पहले की तरह घने नहीं हुए। इस बार गंजा होना कठिन लगा क्योंकि मैंने अपने बालों को फिर से उगाने और बनाए रखने के लिए बहुत मेहनत की थी। फिर भी, मैं हमेशा खुद को समझाता हूँ कि गंजा होने के बाद भी मैं सुंदर दिखता हूं। तेनाली रामा दिसंबर में सोनी सब पर रात आठ बजे प्रसारित होगा।

किसी की निजी जिंदगी पर कमेंट नहीं करना चाहता: सुधांशु पांडे

छोटे परदे की एक्ट्रेस रुपाली गांगुली के लिए बीते कई महीने मुश्किलों भरे रहे हैं। एक्ट्रेस पर पहले कई को-स्टार्स ने बुरा व्यवहार करने के आरोप लगाए। इतना ही नहीं, उनकी सौतेली बेटी ने उनपर मारपीट और डराने के कई गंभीर आरोप लगाए। सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर एक्ट्रेस की सौतेली बेटी ईशा वर्मा ने एक्ट्रेस पर उनका घर तोड़ने और उनके पिता को छीनने का आरोप लगाया था। इन सबके बीच रुपाली गांगुली के को-स्टार रहे सुधांशु पांडे ने एक्ट्रेस पर लगे इन आरोपों पर रिएक्ट किया है।

बातचीत के दौरान सुधांशु पांडे ने उनकी को-स्टार रही रुपाली गांगुली पर लगे आरोपों पर रियेक्ट किया है। एक्टर ने डिटेल में बात करने से इनकार करते हुए कहा कि वो उनकी निजी जिंदगी है और वो किसी की निजी जिंदगी पर कमेंट नहीं करना चाहते हैं। बातचीत के दौरान सुधांशु कहते हैं, 'मैं इस बारे में बात नहीं करूंगा क्योंकि ये किसी का बहुत ही निजी मामला है। किसी के पर्सनल मैटर के बारे में बात करना सही बात नहीं है।' वो आगे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि इसकी जरूरत नहीं है। हम सबके जीवन में ऐसी चीजें होती हैं और हम अपने-अपने तरीकों से इससे डील करते हैं। बाकी सब भगवान पर छोड़ देते हैं'। बता दें, सुधांशु पांडे के शो छोड़ने के पीछे एक्ट्रेस रुपाली गांगुली को बताया जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस से लड़ाई का बाद ही उन्होंने शो छोड़ा। सुधांशु के बाद मदालसा शर्मा सहित कई एक्टर्स ने शो छोड़ा और कई ने रुपाली पर पॉलिटिक्स करने के आरोप भी लगाए। कई सितारों ने दावा किया कि रुपाली सेट पर काफी राजनीति करती हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने इन बयानों पर चुप्पी साधी हुई है।

मानुषी ने शेयर किया दिल छू लेने वाला वीडियो

वर्तमान में मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने की 7वीं सालगिरह का जश्न मना रही हैं। मानुषी को 7 साल पहले मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया था, जो न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का पल था। हरियाणा के रोहतक में जन्मी मानुषी की इस सफलता ने राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया और आज जब वह अपनी यात्रा को याद कर रही हैं, तो उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ एक दिल छू लेने वाला वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में, मानुषी को देख कर युवा लड़कियों को प्रेरणा मिलती है, जो उनके नक्शेकदम पर चलने और वही अविश्वसनीय सफलता प्राप्त करने का सपना देखती हैं। इस खास मौके पर मानुषी ने सोशल मीडिया के जरिए मिस इंडिया ऑर्गनाइजेशन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'इन वीडियो को भेजने के लिए मिस इंडिया को धन्यवाद, धन्यवाद मिस वर्ल्ड, यह हमेशा मेरे लिए सबसे खास पल रहेगा। मैं एक छोटी लड़की थी जब मैंने ताज पहनने और भारत को गौरवान्वित करने का सपना देखा था! मुझे बच्चों के बड़े सपने देखने और उसमें मेरी भूमिका निभाने से ज्यादा खुशी किसी और चीज से नहीं मिलती।' मानुषी ने आगे कहा कि ये वीडियो एक विरोधाभास जैसा लग सकता है, लेकिन इसे विनम्रतापूर्वक लिया जाना चाहिए। उन्होंने एक वीडियो में केक खाते और प्रियंका कुमारी और साना दुआ से उसे खिलाते हुए खुद को दिखाया, जबकि दूसरे वीडियो में वह अपनी टीम के साथ फिटिंग करती दिखाई दीं। खिताब जीतने के बाद से मानुषी ने सिर्फ ब्यूटी क्वीन के रूप में ही नहीं, बल्कि एक एक्ट्रेस के तौर पर भी भारत को गर्वित किया है। वह अब अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म तेहरान की रिलीज़ के लिए तैयार हैं, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ अभिनय कर रही हैं।

जैकी श्रॉफ फिल्म फेस्टिवल का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त

आगामी 22 नवंबर से 8 दिसंबर तक आयोजित होने वाले ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल का अभिनेता जैकी श्रॉफ को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। इस महोत्सव में फिल्मी हस्तियां और प्रोडक्शन बैनर जैसे इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस, अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर, फिल्म निर्माता रिची मेहता, पद्म श्री पुरस्कार विजेता सुरेश वाडकर, वाइल्डलाइफ फिल्ममेकर गौतम पांडे सहित कई अन्य कलाकार और फिल्ममेकर्स भी भाग लेंगे।

एएलटीईएफएफ का उद्देश्य सिनेमा की शक्तिशाली छवि के माध्यम से जलवायु जागरूकता बढ़ाना है, और इस दिशा में जैकी श्रॉफ का विचारशील योगदान महोत्सव के मुख्य उद्देश्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

एएलटीईएफएफ के ब्रांड एंबेसडर के रूप में अपनी नियुक्ति पर जैकी श्रॉफ ने कहा, मुझे बेहद खुशी है कि मुझे एएलटीईएफएफ के ब्रांड एंबेसडर के रूप में चुना गया है, और विशेष रूप से ट्रांसफॉर्मेटिव क्लाइमेट एक्शन पर काम करने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। फिल्में लोगों को जोड़ने का एक शानदार तरीका हैं, और अगली पीढ़ी के बेहतर कल के लिए प्रेरित करने के लिए हमारे अपने फिल्मों से बेहतर क्या हो सकता है। एएलटीईएफएफ एक फिल्म महोत्सव से कहीं अधिक है, यह हम सभी का एक बड़ा सहयोग है, और मैं इस दिशा में काम करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। एएलटीईएफएफ 2024 में रेड कार्पेट मोमेंट्स, सिनेमा की एक शाम, क्लाइमेट एक्शन के आसपास समुदाय और संवाद, एएलटीईएफएफ 2024 बेस्ट ऑफ फेस्टिवल फिल्म की स्क्रीनिंग और एक पुरस्कार समारोह जैसे आकर्षक कार्यक्रम होंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकी श्रॉफ की हालिया ब्लॉकबस्टर सिंघम अगेन में उनके नेगेटिव किरदार उमर हफ़ीज़ को शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। इसके अलावा, वह अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन में बब्बर शेर का किरदार निभाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ अभिनेता वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। बेबी जॉन 25 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म के पहले लुक का रिवील किया गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।